कानपुर से प्रकाशित नोएडा, गाजियाबाद, अमेठी से प्रसारित

UPHIN/2015/64922

समय संदेश टाइम्स

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र   बदलते समय का संदेश

शुभकामनाएं

सभी सुधी पाठकों, विज्ञापन दाताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों व शुभचिन्तकों को गणतंत्र दिवस के पर्व पर समय संदेश टाइम्स पत्र परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।
संपादक- विकास जैन

वर्ष: 11 अंक- 25 डाक पंजीकरण संख्या: I.R./K.P. सिटी- 291/2016-18 कानपुर, मंगलवार 28 जनवरी 2025 पृष्ठ-8 मूल्य मूल्य- 3.50 पैसे

नये संकल्पों एवं नये प्रयोगों से समृद्ध होता गणतंत्र

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद ने भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इसने ब्रिटिश शासन के भारत सरकार अधिनियम 1935 को पूरी तरह खत्म कर दिया और अपना स्वतंत्र संविधान इसी दिन लागू किया। इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इस वर्ष की थीम 'स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। किसानों, शिक्षकों, न्यायविदों, मजदूरों, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और इंजीनियरों की विविध भूमिकाओं की सामूहिक शक्ति हमारे देश को 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' की भावना के अनुरूप आगे बढ़ने में सक्षम बना रही है। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के साथ-साथ पूरे भारत से कई ऐसे लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है जिन्होंने अपने गांव, समाज एवं राष्ट्रमें विकास के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है, इस तरह इस बार गणतंत्र दिवस समारोह ऐसे अनेक नये प्रयोगों एवं प्रदर्शनों का साक्षी बन रहा है। भारतीय संविधान दुनिया का सबसे विशिष्ट संविधान माना जाता है। भारत की संविधान सभा ने दुनिया के सभी संविधानों का अध्ययन किया और हर संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को अपने संविधान में शामिल किया। नागरिक स्वतंत्रता के जितने अधिकार भारतीय संविधान में हैं उतने दुनिया के किसी अन्य संविधान में नहीं। भारतीय संविधान की दूसरी विशेषता संविधान की विशालता एवं समग्रता है। भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता का प्रावधान तो है लेकिन इसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्मानुसार आचरण करने की पूरी स्वतंत्रता है। इसमें नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य की स्पष्ट विवेचना है। इसमें संघात्मकता भी है और एकात्मकता भी है। भारतीय संविधान में सत्ता चयन के लिये संसदीय प्रणाली को सुनिश्चित किया है तथा संचालन के लिये विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसे तीन अंग सुनिश्चित किये। भारतीय संविधान में केंद्र और राज्य सरकार के बीच विषयों और कार्यों का स्पष्ट विभाजन है। केन्द्र सरकार को कुछ आपात अधिकार भी दिये गये हैं जिससे वह केन्द्र राज्य में हस्तक्षेप कर सकता है। इतने अनूठे, विलक्षण एवं समग्र संविधान के बावजूद छिहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा रहा। लेकिन अब इन राष्ट्रीय पर्वों को मनाते हुए संप्रभुता का अहसास होने लगा है। गणतंत्र का जब हम जश्न मनाते हैं, तो उसमें कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी जागती है तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचैनी भी दिखती है। हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास मुखर होता है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी सामने आती है। अब होने लगा है हमारी स्व-चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व-पहचान का अहसास। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक, सामुदायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थ की सुनहरी छटाएं हैं। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी हैं। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो आखिर क्यों! क्यों हम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सुदृढ़ता नहीं दे पाये हैं? क्यों

गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेरे रखा है? यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन-व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वात्मना नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है। बावजूद अभी भी देश की राजनीति अनेक विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से घिरी है। यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त-मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, तीनों प्रमुख रजनीतिक दल नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने देश को किया संबोधित, बोलीं-आज विश्व का नेतृत्व कर रहा भारत

नई दिल्ली। 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। संबोधन की शुरूआत में राष्ट्रपति ने देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज हमें सबसे पहले उन वीर आत्माओं को याद करना चाहिए जिन्होंने मातृभूमि को विदेशी शासन की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए महान बलिदान दिया। कुछ प्रसिद्ध थे, जबकि कुछ हाल तक अल्पज्ञात रहे। उन्होंने कहा कि हम इस वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मना रहे हैं, जो स्वतंत्रता सेनानियों के प्रतिनिधि के रूप में खड़े हैं, जिनकी राष्ट्रीय इतिहास में भूमिका को अब सही अनुपात में पहचाना जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि बीसवीं सदी के शुरुआती दशकों में, उनके संघर्ष एक संगठित राष्ट्रव्यापी स्वतंत्रता आंदोलन में समेकित हो गए। यह देश का सौभाग्य था कि उसे महात्मा गांधी, रवीन्द्रनाथ टैगोर और बाबासाहेब अम्बेडकर जैसे लोग मिले, जिन्होंने इसके लोकतांत्रिक लोकाचार को फिर से खोजने में मदद की। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व कोई सैद्धांतिक अवधारणाएं नहीं हैं जिन्हें हमने आधुनिक समय में सीखा है; वे हमेशा हमारी सभ्यतागत विरासत का हिस्सा रहे हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व हमेशा से हमारी सभ्यतागत विरासत का हिस्सा रहे हैं। सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक भारत को कभी ज्ञान और बुद्धिमत्ता के स्रोत के रूप में जाना जाता था। उन्होंने कहा कि संविधान के 75 वर्ष एक युवा गणतंत्र की सर्वांगीण प्रगति द्वारा चिह्नित हैं। आज़ादी के समय और उसके बाद भी, देश के बड़े हिस्से को अत्यधिक गरीबी और भुखमरी का सामना करना पड़ा था। लेकिन एक चीज़ जिससे हम वंचित नहीं थे वह था हमारा खुद पर विश्वास। हम ऐसी सही परिस्थितियाँ बनाने के लिए तैयार हैं जिनमें हर किसी को फलने-फूलने का अवसर मिले। द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि हमारे किसानों ने कड़ी मेहनत की और हमारे देश को खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया। हमारे श्रमिकों ने हमारे बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्र को बदलने के लिए लगातार काम किया। उनके उत्कृष्ट प्रयासों की बदौलत, भारत की अर्थव्यवस्था आज वैश्विक आर्थिक रुझानों को प्रभावित करती है। आज भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व का नेतृत्व कर रहा है। यह परिवर्तन हमारे संविधान द्वारा निर्धारित खाके के बिना संभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि संविधान एक जीवंत दस्तावेज बन गया है, क्योंकि नागरिक मूल्य सहस्राब्दियों से हमारे नैतिक मूल्यों का हिस्सा रहे हैं उन्होंने कहा कि एससी समुदायों के युवाओं के लिए प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, राष्ट्रीय फेलोशिप, विदेशी छात्रवृत्ति, छात्रावास और कोचिंग सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

अन्ना जी को भी शर्म आ रही होगी कि मेरा चेला इतना बड़ा भ्रष्टाचारी कैसे निकल गया: अमित शाह

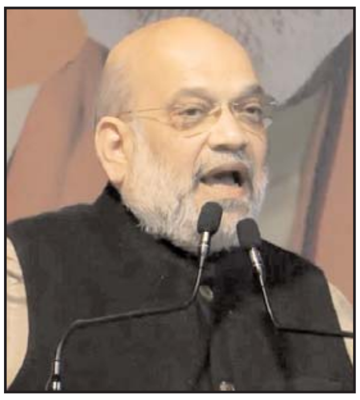

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार तेज होता जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी आज प्रचार की शुरूआत कर दी है। पहले तो उन्होंने पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया। इसके बाद अमित शाह राजौरी गार्डन में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करने पहुंचे है। शाह ने कहा कि मेरा घरेलू सहायक मेरे पास आया और उसने बताया कि उसे एक फोन आया है जिसमें कहा गया है कि भाजपा के सत्ता में आते ही दिल्ली में चल रही सभी कल्याणकारी योजनाएं बंद कर दी जाएंगी। जब मैंने कहा कि यह अरविंद केजरीवाल का फोन था, तो उन्हें यकीन हो गया कि यह सब झूठ है। एक के बाद एक झूठ फैला रहे हैं। शाह ने दावा किया कि मोदी जी ने साफ कहा है कि दिल्ली में कोई भी कल्याणकारी योजना बंद नहीं की जायेगी। हम उन सभी वादों को पूरा करेंगे जिन्हें वे पूरा करने में विफल रहे। उन्होंने कहा कि 10 साल तक केजरीवाल जी ने दिल्ली में कुशासन, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण चलाया है। आप दा ने पूरी दिल्ली को अव्यवस्थित करके रख दिया है। आप दा सरकार ने दिल्ली की जनता से केवल और केवल वादा-खिलाफी की और धोखा देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आप दा ने केवल धोखा देने का काम किया है। भाजपा नेता ने कहा कि कनेक्टिविटी के नाम पर टूटी सड़कें देने का काम, मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर मेडिकल टेस्ट में घपला करने का काम, बरसात में दिल्ली की सड़कों को झील बनाने का काम किया है और कुछ काम नहीं किया है। केजरीवाल जी ने सुशासन नाम का शब्द ही समाप्त कर दिया है। इन्होंने (आप दा)कहा था कि रिहायशी इलाकों से शराब की दुकान बंद कर देंगे, बंद हुई है क्याउल्टे गुरुद्वारे, मंदिरों और स्कूलों के आसपास शराब की दुकान खोलने का काम किया और हजारों करोड़ रुपए का घपला घोटाले करने का काम किया। इन्होंने (आप दा) वादा किया था कि मैं यमुना में डुबकी लगाऊंगा, यमुना को शुद्ध कर दूंगा, लेकिन यमुना जी के लिए कुछ काम किया क्या, कुछ नहीं किया। मैं आज कह कर जाता हूं कि साबरमती रिवर फ्रंट की तरह यमुना में भी रिवर फ्रंट बनाने का काम पूरा कर देंगे। आप पर अपना हमला जारी रखते हुए शाह ने कहा कि इन्होंने (आप दा) नल से स्वच्छ जल देने का वादा किया था, लेकिन शुद्ध पेयजल देने का कुछ काम किया क्या, कुछ नहीं किया। इसलिए मैं दिल्ली की जनता से कहना चाहूंगा कि इस आप दा का अब हिसाब-किताब कर दो और आप दा को उखाड़ फेंको।

सत्तारूढ़ दल और विपक्ष के नेताओं ने 76वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक, समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती समेत राज्य के कई प्रमुख नेताओं ने रविवार को देश के 76वें गणतंत्र दिवस पर बधाई दी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर लिखा, ''गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।'' बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 'एक्स' पर लिखा, ''भारत के 76वें गणतंत्र दिवस की देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।'' उन्होंने साथ ही सवाल किया, ''अपनी उन्नति एवं देश के विकास के लिए खून-पसीना बहाने वाले लोगों को क्या उनकी मेहनत का उचित फल व संविधान के अनुसार न्याय एवं हक मिल रहा है? यह सोचने की बात है।'' उन्होंने कहा, ''बड़े-बड़े पूंजीपतियों व धन्नासेठों की संख्या में हो रही वृद्धि से अधिक जरूरी बहुजन के लिए एवं देशहित में विकास है।'' मायावती ने कहा कि सरकार की नीति आमजन के हित को बढ़ावा देने वाली होनी चाहिए ताकि गरीबी एवं बेरोजगारी जैसी समस्याएं दूर हो सकें। मौर्य ने 'एक्स' पर लिखा, ''संविधान का हर शब्द हमें एकता, समानता एवं न्याय का संदेश देता है।'' उन्होंने कहा, ''भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी के सपनों को साकार करना तभी संभव है जब हम संवैधानिक मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करें।''

गणतंत्र दिवस पर दिखा संस्कृतियों का महाकुंभ, जवानों ने दिखाया शौर्य

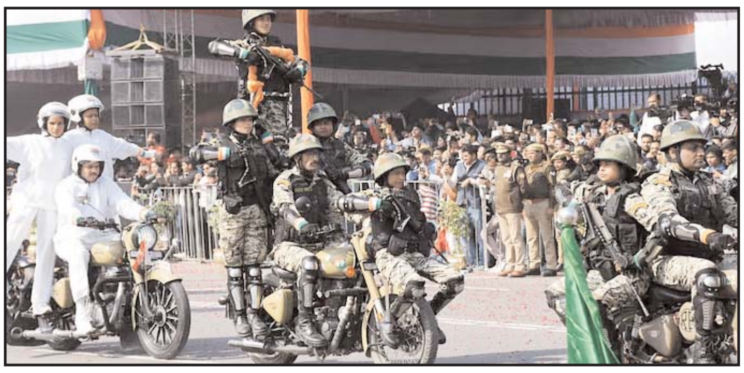

कानपुर। राजधानी लखनऊ में 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर विधान भवन के सामने आयोजित परेड में अलग-अलग संस्कृतियों के महाकुंभ की झलक दिखी। इस अवसर पर एक से बढ़कर एक मनमोहक झांकियों की प्रस्तुति दी गई। राजधानी लखनऊ में 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर विधान भवन के सामने आयोजित परेड में अलग-अलग संस्कृतियों के महाकुंभ की झलक दिखी। इस अवसर पर एक से बढ़कर एक मनमोहक झांकियों की प्रस्तुति दी गई। सुबह झंडारोहण के बाद जवानों और स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक झांकियां प्रस्तुत की और अपने शौर्य का परिचय दिया। इस दौरान भारत माता की जय के नारे लगते रहे। जवानों के शौर्य का अभिनंदन करते हुए हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। इसके पहले परेड देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक एकत्र हुए और भारत माता की जय के नारे लगाए। परेड में प्रयागराज में हो रहे महाकुंभ को लेकर झांकी प्रस्तुत की गई। परेड के दौरान जवानों ने हर बार की तरह इस बार भी अपने हैरतअंगेज कर्तव्यों से सभी को हैरान कर दिया। परेड में स्कूली बच्चों ने विभिन्न संस्कृतियों की झांकी प्रस्तुत की। इस दौरान भारत माता की जय के नारों और देश भक्ति के तरानों से माहौल गूंजता रहा। परेड के दौरान तिरंगे को सलामी देते पुलिसकर्मी।

गणतंत्र दिवस पर कांग्रेस ने शुरू की संविधान चौपाल

कानपुर। कांग्रेस उत्तर प्रदेश भर में 101 चौपाल का आयोजन करेगी और लोगों को हक और अधिकार के प्रति जागरूक करेगी। गणतंत्र दिवस पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर इसकी शुरुआत की गई है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने झंडारोहण किया। वहीं अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के निर्देश पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल द्वारा संविधान चौपाल की शुरुआत भी की गई। सेवादल पूरे प्रदेश में 101 संविधान चौपाल का आयोजन करेगा। झंडारोहण के बाद हुई चौपाल में प्रदेश कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक डॉ. प्रमोद कुमार पाण्डेय ने कहा कि हम इन संविधान चौपालों के माध्यम से लोगों को संविधान में निहित शक्तियों व आम भारतीय को उससे मिलने वाले हक एवं अधिकारों से रूबरू करायेंगे। इससे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि

आज हमारा देश 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। कांग्रेस एक ऐसे भारत के निर्माण के लिए संकल्पित है जो भेदभाव, जाति, धर्म, लिंग आदि संकीर्ण मानसिकताओं से रहित हो। बिना किसी भेदभाव के देश के हर नागरिक को समान अवसर मिले। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी आज की इस विषम परिस्थिति में जब भाजपा और संघ देश के संविधान को बदलकर एक नई व्यवस्था लागू कराने की तैयारी कर रहा हो तब इस तानाशाह सरकार के सामने एक अटल चट्टान की तरह खड़े हैं। संविधान इस देश के आम भारतीय की प्राणवायु है। कांग्रेस संविधान को बचाए रखने के लिए संघर्षरत है। इस अवसर पर पूर्व विधायक सतीश अजमानी, मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष हिंदवी, डॉ. अमित कुमार राय, आलोक सिंह रैकवार, श्याम किशोर शुक्ला, इन्दल रावत, शिव पाण्डेय, निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रभारी प्रशासन दिनेश कुमार सिंह, कौशलेन्द्र यादव, शहर कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी, डॉ. शहजाद आलम आदि उपस्थित थे।

स्वावलंबी बनाने की योजना में 3.85 करोड़ का घपला

कानपुर। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की योजना में करोड़ों का घपला सामने आया है। आरोप है कि विभिन्न ब्लॉक क्षेत्रों के ज्यादातर समूहों के विस्तार और नए समूहों के गठन, प्रशिक्षण, ड्रेस, कार्यालय सामग्री आदि की खरीदारी आदि में कागजों में हेराफेरी करके घपला किया गया है। उन्नाव जिले निर्धन परिवारों की महिलाओं के समूह गठित कर उन्हें स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए मिले 3.85 करोड़ रुपये खर्च करने में मनमानी की गई। ग्रामीण क्षेत्रों के भ्रमण, प्रशिक्षण और प्रशिक्षण सामग्री खरीद के नाम पर घपले के आरोप हैं। सीडीओ ने चार सदस्यीय टीम गठित जांच शुरू कराई है। शुरुआती जांच में गड़बड़ी सामने आ रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना (एनआरएलएम) में वित्तीय वर्ष 2023-24 में अभियान चलाकर जरूरतमंद परिवारों की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने, नए समूह गठित करने व महिलाओं को उनकी रुचि और योग्यता के आधार पर प्रशिक्षण देने की योजना थी। इसके लिए 18 अप्रैल 2023 से 30 जून 2023 तक जिले में अभियान चलाने के आदेश दिए गए थे। जिले में स्वयं सहायता समूहों के गठन के लिए मानदेय, आवागमन व जरूरी सामग्री खरीदने के लिए प्रति समूह 10 हजार रुपये के हिसाब से 3558 समूहों के लिए 3.85 करोड़ रुपये जिले को मिले थे। प्रशासन को योजना में घपले की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। आरोप लगाए गए कि विभिन्न ब्लॉक क्षेत्रों के ज्यादातर समूहों के विस्तार और नए समूहों के गठन, प्रशिक्षण, ड्रेस, कार्यालय सामग्री आदि की खरीदारी आदि में कागजों में हेराफेरी करके घपला किया गया है। लगातार शिकायतों के बाद सीडीओ प्रेम प्रकाश मीणा ने प्रकरण की जांच शुरू कराई है। इसके लिए चार सदस्यीय टीम बनाई है, जिसमें बेसिक शिक्षा विभाग के वित्त एवं लेखाधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया के अग्रणी जिला प्रबंधक, सिकंदरपुर सरोसी ब्लाक के लेखाकार रामकुमार सिंह और श्रम रोजगार उपायुक्त कार्यालय के लेखाकार अमित तिवारी को शामिल किया गया है। इस प्रकरण में कांग्रेस नेता अक्षत ठाकुर, गांधीनगर निवासी अरविंद कुमार सहित कई लोगों ने शिकायतें कीं। जांच के आदेश भी हुए लेकिन मामला आगे नहीं बढ़ पाया। वर्ष 2023 में जिले के तत्कालीन अधिकारियों से शिकायत करने पर भी कार्रवाई नहीं हुई। इस पर कांग्रेस नेता अक्षत ठाकुर ने अगस्त 2023 में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से शिकायत की। उनके निर्देश पर तत्कालीन सीडीओ ने जांच के आदेश दिए, लेकिन फाइल दब गई। इसके बाद जिला प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह से शिकायत की गई। जनवरी 2025 में फिर शिकायत की, तो सीडीओ ने कमेटी बनाकर जांच शुरू कराई। नए समूह बनाकर सदस्य महिलाओं को प्रशिक्षण देकर आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की योजना के लिए हर तीन-चार साल में बजट आता है।

कानपुर से 200 बसें महाकुंभ रवाना

कानपुर। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक अनिल कुमार ने बताया कि कुछ रूटों पर बसों के फेरे घटा दिए गए हैं। किसी रूट पर यात्रियों का लोड बढ़ता है, तो जरूरत अनुसार बसों के फेर बढ़ाए जाएंगे। कानपुर से रोडवेज बसें महाकुंभ के लिए शनिवार से रवाना होना शुरू हो गईं। देर शाम 200 एसी, साधारण व शटल बसें रवाना हो गईं। इसके चलते लखनऊ, दिल्ली, आगरा, मेरठ रूट पर बसें घट गईं। पांच फरवरी तक इन रूटों पर बसों के कम फेरे रहेंगे। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक अनिल कुमार ने बताया कि कुछ रूटों पर बसों के फेरे घटा दिए गए हैं। किसी रूट पर यात्रियों का लोड बढ़ता है, तो जरूरत अनुसार बसों के फेर बढ़ाए जाएंगे। वहीं, कानपुर सिटी ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड की 98 बसों में से 75 कुंभ रवाना हो चुकी हैं। वर्तमान में केवल 20 बसें ही विभिन्न रूटों पर सेवा दे रही हैं। यह समस्या एक मार्च तक रहेगी।

अयोध्या में शान से लहराया तिरंगा

कानपुर। लखनऊ सहित प्रदेश के हर जिला मुख्यालय पर गणतंत्र दिवस का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर झंडारोहण कर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। गणतंत्र के अवसर पर राम नगरी अयोध्या में तिरंगा शान से लहराया। उत्तर प्रदेश में राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के हर जिला मुख्यालय पर गणतंत्र दिवस का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर झंडारोहण कर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। गणतंत्र के अवसर पर राम नगरी अयोध्या में तिरंगा शान से लहराया। पुलिस लाइन में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया। पुलिस के जवानों ने कदमताल मिलाया और शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक तिरंगा झंडा फहराया गया। सरकारी और गैर सरकारी कार्यालयों में भी ध्वजारोहण किया गया। सरकारी व प्राइवेट स्कूलों में भी धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस दौरान हर तरफ उल्लास छाया रहा। गणतंत्र दिवस का उल्लास चहुंओर देखने को मिल रहा है। भगवान घनश्याम महाराज की जन्मस्थली स्वामीनारायण छपिया में भगवान घनश्याम महाराज को तिरंगे से सजाया गया है। भगवान घनश्याम महाराज को पवित्र जल से स्नान कराया गया। मंदिर के महंत देव स्वामी, गुरु जगत प्रकाश स्वामी, कोठारी विष्णु स्वामी ने सागर भगत के साथ भगवान घनश्याम महाराज की पूजा अर्चना किया। भगवान की आरती की गई। मंदिर परिसर को तिरंगे से सजाया गया।

श्री बालाजी मंदिर का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

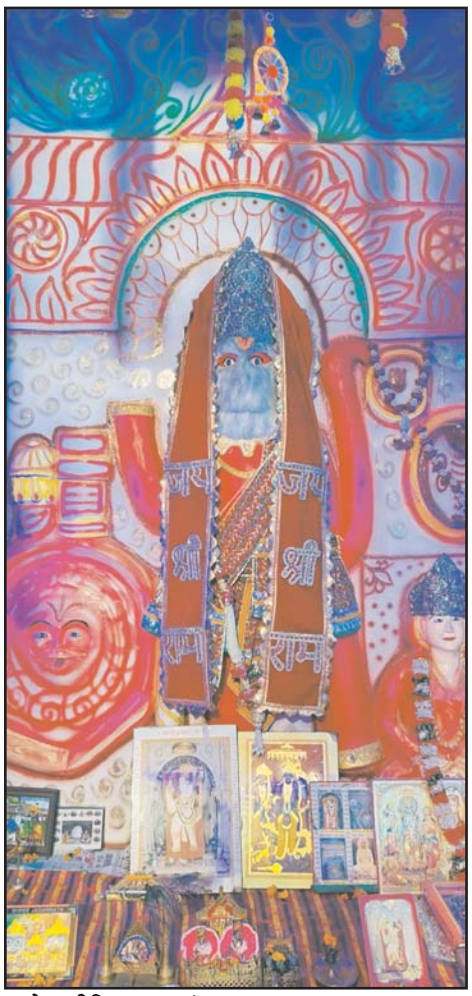

प्रमोद दीक्षित उप संपादक

कानपुर के नारा मऊ में श्री बालाजी मंदिर का जन्मोत्सव के उपलक्ष में प्रत्येक वर्ष के भांति 27 जनवरी को सुंदर मनमोहक झांकियां के साथ कलश यात्रा निकाली गई । यह यात्रा गांव के संपूर्ण मंदिरों में बिठूर थाना की पुलिस प्रशासन की देखरेख में निकली गई इस कलश यात्रा में राधा कृष्ण, श्री हनुमान जी महाराज, श्री बालाजी महाराज, भगवान शंकर की झांकियां के साथ संपूर्ण नगर वासियों ने हर्षो उल्लास के साथ बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस गांव में हिंदू सनातन के कार्यक्रम को लेकर के कई बार हिंदू मुस्लिम को लेकर के विवादित रहा है इसलिए यह कार्यक्रम पुलिस प्रशासन के देखरेख में किया गया है

इस मौके पर मौजूद श्री बालाजी मंदिर के महान पंडित हरकिशोर दुबे ने बताया यह कार्यक्रम कई वर्षों से होता चला आ रहा है। और जब तक मेरी सांस चलेगी तब तक सदैव बाढ़ चल करके कार्यक्रम करवाते रहेंगे। और धार्मिक अनुष्ठान हम करते रहेंगे । उनके साथ उनके पुत्र रमन दुबे का कहना है कि यह कार्यक्रम में हर वर्ष बढ़ोतरी होती चली आ रही है । और उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि कई प्रदेशों से भक्त इस कार्यक्रम में हिस्सा लेते हैं । दरबार के भक्त जनों का कहना है श्री बालाजी दरबार में सभी प्रकार के संकट काटे जाते हैं जैसे की भूत ,प्रेत चुड़ैल, इस तरीके की कोई भी संकट धारी होते हैं उनके संकट का निवारण किया जाता है।इस कार्यक्रम में मौजूद अनुज त्रिपाठी, परमेंद्र पाल,राजन शर्मा, बृज नारायण दुबे, विनय दुबे,अजय, कृष्णा, गोपाल, शिबू,विमल, आदि लोग मौजूद रहे

खिलाड़ियों को मिलेगी मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा डॉ हलदर्स ऑर्थोविजन हेल्थकेयर का शुभारंभ

देव मणि शुक्ल

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर के खिलाड़ियों और जरूरतमंदों के लिए एक बड़ी सौगात के रूप में, नोएडा सेक्टर 141 में डॉ हलदर्स ऑर्थोविजन हेल्थकेयर का शुभारंभ हुआ। इस हॉस्पिटल में जिले के हर खेल के शीर्ष खिलाड़ियों को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस हॉस्पिटल का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, 'यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के स्वस्थ भारत के विज़न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। खेल हमारे समाज और युवाओं को सशक्त बनाने का माध्यम है। ऐसे में खिलाड़ियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देकर हम उनके प्रदर्शन को नई ऊंचाई पर ले जाने में मदद करेंगे।' हॉस्पिटल की स्थापना डॉ अभिषेक हलदर और डॉ श्रीदेवी हलदर द्वारा की गई है। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों के साथ-साथ जरूरतमंदों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना है। हॉस्पिटल में पहले 10 आने वाले मोतियाबिंद के मरीजों का ऑपरेशन निःशुल्क किया जाएगा। यह सुविधा आगे भी जरूरतमंदों और असहाय लोगों के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगी, जिससे समाज के कमजोर वर्गों को लाभ मिलेगा। डॉ हलदर्स ऑर्थोविजन हेल्थकेयर न केवल खिलाड़ियों और जरूरतमंदों के स्वास्थ्य का ध्यान रखेगा, बल्कि यह क्षेत्र में खेल और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक प्रमुख केंद्र बनेगा। कार्य' म में डॉ अजय वाधवान और अजय अरोड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा, प्रशांत कुमार हलदर, डॉ अशोक गुंडा, डॉ अनिल पांडे, अविनाश सिंह, डॉ शशेन्द्र, अशोक अग्रवाल और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस शुभ अवसर पर मौजूद रहे।

दिल्ली प्रचार में जुटे नॉएडा के कांग्रेसी नेता

देव मणि शुक्ल

नोएडा। उत्तर प्रदेश काँग्रेस कमेटी के पूर्व सदस्य कांग्रेसी नेता सतेन्द्र शर्मा ने काँग्रेस पार्टी के निर्देशानुसार एव अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय सचिव गोकलपुर विधानसभा के ऑबजर्वर लियाक़त चोधरी दोनो नेता ने गोकुलपुर विधानसभा से काँग्रेस प्रत्याशी श्री ईष्वर सिंह बागड़ी के साथ गंगा बिहार में ड़ोर टू डोर जनसम्पर्क कर कांग्रेस पार्टी के समर्थन में वोट की अपील की,श्री सतेन्द्र शर्मा ने बताया है कि दिल्ली में काँग्रेस मजबूती से चुनाव लड़ रही है दिल्ली की मुख्यमंत्री स्वर्गीय शीला दीक्षित जी के कामो को जनता याद कर रही है केजरीवाल ने दिल्ली को बदहाल कर दिया है कोई काम जनता के हित मे नही किया है,अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय सचिव लियाक़त चौधरी ने कहा है कि जनता से झूठे वादे केजरीवाल सरकार ने किए है जनता माफ नही करेंगी अबकी बार दिल्ली की जनता ने कांग्रेस के साथ चलने का वादा किया है,इस अवसर पर बॉबी पंचाल,देवदत्त शर्मा,रवि तिवारी,अली हसन,गमन बागड़ी,रोहित सहित सैकड़ों कार्यकर्ता रहें।

दिल्ली के डॉक्टर की ग्रेटर नोएडा में हत्या

ग्रेटर नोएडा। यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले के ग्रेटर नोएडा में इकोटेक तीन कोतवाली क्षेत्र के कुलेसरा गांव की संजय विहार कॉलोनी में दिल्ली के डॉक्टर की हत्या कर दी गई। रविवार को उनका शव एक कमरे में खून से लथपथ मिला है। डॉक्टर के सिर में चोट के निशान हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं। शक है कि मकान में किराए पर रहने वाले एक पुरुष और महिला ने हत्या की है। दोनों को रात के समय डॉक्टर के पास देखा गया था और घटना के बाद से फरार हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज व सर्विलांस की मदद से जांच कर रही है। मृतक डॉ दिनेश गौड़ 50 वर्ष अपने परिवार के साथ दिल्ली की पॉकेट डी कुंडली में रहते हैं। उनका एक मकान ग्रेटर नोएडा के कुलेसरा गांव की संजय विहार कॉलोनी में है। जहां वह किराए के कमरे बनाए हुए हैं। इसी मकान के एक कमरे में उन्होंने अपना अस्थायी विश्राम कक्ष बनाया हुआ है। 25 जनवरी की शाम वो मकान पर आए थे। 26 जनवरी को उनके बेटे ने फोन किया तो कोई जवाब नहीं मिला। वो मकान पर पहुंचा तो कमरे का दरवाजा बाहर से बंद मिला।

सपा नोएडा महानगर ने छोटे लोहिया (जनेश्वर मिश्र) को किया शत-शत नमन

देव मणि शुक्ल

नोएडा। छोटे लोहिया के नाम से विख्यात जनेश्वर मिश्र की 15 वीं पुण्यतिथि पर सेक्टर 53 स्थित कंचनजंगा मार्केट सपा नोएडा महानगर कार्यालय पर नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में उनके चित्र पर फूल माला चढ़ाकर उनको याद किया। डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि जनेश्वर मिश्र ने समाजवाद का पर्चा लहराया था उन्होंने हमेशा दलित शोषित और पीड़ितों की लड़ाई लड़ी थी उन्होंने सदैव समाज के बारे में चिंतन किया ,उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी समाजवादियों के लिए समर्पित कर दिए, उन्होंने वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज नोएडा शहर में स्वास्थ्य ,शिक्षा और कानून व्यवस्था पूरी तरह से लचर हो चुकी है सरकारी अस्पताल में लोग बिना इलाज और दवाई के परेशान हैं नोएडा के जनसंख्या के अनुपात में ना तो यहां कॉलेजों की संख्या बढ़ाई गई और ना ही सरकारी स्कूलों की संख्या बढ़ाई गई, स्कूलों कॉलेज में व्यवस्था पूरी तरह फेल है, आज शहर में चारों तरफ भय का माहौल है लगातार लूट ,चोरी, कत्ल की वारदात शहर में बढ़ती जा रही है, प्रदेश सचिव सुनील चौधरी वह पूर्व अध्यक्ष रेशपाल अवाना ने कहा कि जनेश्वर मिश्र को छोटे लोहिया के नाम से भी जाना जाता है उनके रग रग में समाजवाद भरा हुआ

था, वही मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव व रामवीर यादव ने कहा कि आज जनेश्वर मिश्र की जयंती पर सभी समाजवादी लोग व्रत लेंगे कि वे जनेश्वर मिश्र के बताए मार्ग पर चलकर भाजपा की भय भूख और भ्रष्टाचार के उल्टे पड़े नारे को जन-जन तक पहुंचाएंगे और उन्हें बताएंगे कि महंगाई किस चरम पर है पेट्रोल डीजल महंगे हो गए हैं इसके साथ सरसों का तेल और अन्य चीजों के दाम भी आसमान छू रहे हैं,आज के बैठक में मौजूद मुख्य लोगों में वीरपाल प्रधान ,योगेश भाटी, अमित बसोया , बबली शर्मा, महकार तंवर, दिव्यांशु यादव, रामवीर यादव,कवित गुर्जर,सतवीर यादव, राम सहेली , गौरव सिंघल, रामवीर चौधरी, अनुराग यादव, सनी सिंगर,वीर बहादुर, विश्वास ,सिकंदर पासवान मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

छात्र के खाते से 10 हजार रुपये निकाल

नोएडा। कोतवाली क्षेत्र के डेरीन गांव निवासी एक छात्र के खाते से करीब 10 हजार रुपये निकल गए। पीड़ित ने सोमवार को कोतवाली की साइबर सेल में पहुंचकर मामले की शिकायत की है। पीड़ित फिरोज का कहना है कि वो 12वीं का छात्र है। पिछले चार दिन में उसके खाते से दो बार में करीब 10 हज़ार रुपये की रकम निकाल ली गई है। जब उसने सोमवार को बैंक में जाकर जानकारी की तो पता चला कि आधार कार्ड के माध्यम से किसी ने यह रकम निकाली है। किसी अज्ञात आरोपी ने खाते से फर्जीवाड़ा किया है। साइबर सेल प्रभारी का कहना है कि शिकायत के आधार पर जांच की जाएगी।

रंगबिरंगी रोशनी से जगमगाए सरकारी, गैर सरकारी कार्यालय

नोएडा। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर सरकारी व गैर सरकारी कार्यालय व अन्य संस्थानों को रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया। शाम होते ही भवन रंगीन रोशनी से जगमगा उठे। उधर, जिला बनने के बाद दूसरी बार नई पुलिस लाइन के मैदान पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में पुलिस की परेड का आयोजन किया जाएगा। पुलिस लाइन में सुबह साढ़े नौ बजे ध्वजारोहण होगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों भी होंगे। कलक्ट्रेट समेत सभी सरकारी भवनों में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। इस अवसर पर झंडा अभिवादन के साथ ही राष्ट्रगान होगा। कलक्ट्रेट में डीएम अरविंद चौहान ध्वजारोहण करेंगे। गणतंत्र दिवस के अवसर पर महापुरुषों की प्रतिमाओं व चित्रों पर माल्यार्पण किया जाएगा और अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित जाएगी। सीएचसी शामली व जिला अस्पताल में मरीजों को फल मिष्ठान वितरित किए जाएंगे। प्रतिमाओं की सफाई के निर्देश ¬ जिलाधिकारी ने गणतंत्र दिवस के मद्देनजर सभी नगर पालिका, नगर पंचायत और सभी खंड विकास अधिकारियों को महापुरुषों, शहीदों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई के निर्देश दिए हैं। खेलकूद प्रतियोगिताएं भी होंगी आयोजित ¬ डीएम ने दिन में शिक्षण संस्थाओं में खेलकूद, साइकिल रेस, दंगल आदि का आयोजन करने को कहा है। स्काउट और गाइड से रूट मार्च भी कराया जाएगा। प्रतियोगिताएं दस बजे के बाद शुरू होंगी।

हेल्थ एटीएम खराब, मरीजों को नहीं मिल पा रहा लाभ

नोएडा। जिले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर लगाए गए हेल्थ एटीएम का मरीजों को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। मरीजों को इनके बारे में जानकारी तक नहीं है। मरीजों को जांच कराने के बाद रिपोर्ट के लिए इंतजार करना पड़ता है जबकि स्वास्थ्य विभाग का दावा था कि हेल्थ एटीएम से जांच के बाद तत्काल रिपोर्ट दी जाएगी। टीम ने जिला अस्पताल समेत सीएचसी पर लगे हेल्थ एटीएम की पड़ताल की तो ज्यादातर स्थानों पर वे बंद मिले। सीएचसी शामली के पैथोलोजी लैब में हेल्थ एटीएम पर किसी मरीज की जांच नहीं की जा रही थी। पहले की तरह लैब टैक्नीशियन व अन्य कर्मचारी मैनुअल तरीके से ही जांच कर रहे थे। लैब टैक्नीशियन अशोक कुमार ने बताया कि हेल्थ एटीएम से दिन में एक या दो जांच की जा रही है। जांच कराने आए नरेंद्र और विकास ने बताया कि वे जांच कराने आए हैं। उन्हें हेल्थ एटीएम के बारे में जानकारी नहीं है। जिला अस्पताल की पैथोलोजी लैब में लगे हेल्थ एटीएम से किसी मरीज की जांच नहीं की जा रही थी। पैथोलोजिस्ट डॉ. अनुपम सक्सेना ने बताया कि मशीन में कई तरह की जांच के लिए सामान नहीं है, जिस कारण इस मशीन से अभी मरीजों की जांच नहीं हो पा रही है। झिंझाना सीएचसी पर मशीन लगी हुई है, लेकिन नियमित टैक्नीशियन नहीं है। सीएचसी के कर्मचारी अमित कुमार को एटीएम हेल्थ मशीन चलाने का अतिरिक्त कार्यभार दिया हुआ है।

पांच वर्षों में वसूली में जिले ने बनाया नया कीर्तिमान, करोड़ों का जमा हुआ शुल्क

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर औद्योगिक शहर के रूप में स्थापित की गई है। यहां के उद्योगों में कच्चे माल की आवक से आयात और निर्यात के एवज में कस्टम शुल्क के रूप में हर साल सरकारी खजाने में करोड़ों रुपये का राजस्व जमा कराया जा रहा है। पिछले पांच सालों में गौतमबुद्ध नगर ने कस्टम शुल्क वसूली में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। साल दर साल कस्टम शुल्क वसूली में करोड़ों रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले पांच सालों के आंकड़ों के मुताबिक जिले से कस्टम शुल्क के रुप में करोड़ों रुपये सरकार के खजाने में जमा कराया गया है। दरअसल, दिल्ली से सटा गौतमबुद्ध नगर औद्योगिक शहर के रूप में स्थापित की गई है। यहां के उद्योगों में कच्चे माल की आवक से आयात और निर्यात के एवज में कस्टम शुल्क के रूप में हर साल सरकारी खजाने में करोड़ों रुपये का राजस्व जमा कराया जा रहा है। यह न केवल जिले में औद्योगिक विकास को दर्शाता है, बल्कि यहां के आर्थिक गतिविधियों की मौजूदा स्थिति को भी दर्शाता है। गौतमबुद्ध नगर स्थित कस्टम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले पांच सालों में यहां से हर साल करोड़ों रुपये का राजस्व सरकारी खजाने में भरने का काम हुआ है। मौजूदा वित्तीय वर्ष 2024-25 में दिसंबर तक करीब 6700 करोड़ रुपये का राजस्व कस्टम शुल्क के रूप में सरकारी खजाने में जमा कराया जा चुका है। अभी वित्तीय वर्ष के तीन माह शेष हैं, ऐसे में इस साल भी

पिछले साल जमा कराए गए कुल कस्टम शुल्क का रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद जताई जा रही है। जिले के निर्यातकों ने कस्टम की प्रक्रिया को और सरल बनाने की मांग उठाई है। उनका मानना है कि सरल प्रक्रिया से निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और जिले के आर्थिक विकास में और तेजी आएगी। निर्यातकों ने कस्टम अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे निर्यात प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाएं ताकि निर्यातकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। 2024-25 में दिसंबर तक 6700 करोड़ रुपये का राजस्व कस्टम शुल्क के रूप में सरकारी खजाने में जमा कराया गया है। जिले के रेडीमेड गारमेंट्स के निर्यातक व इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव बंसल का कहना है कि जिले से हर साल करोड़ों रुपये का राजस्व कस्टम शुल्क के रूप में सरकारी खजाने में जमा कराया जा रहा है। बावजूद इसके कस्टम की प्रक्रिया में सरलता बनाए रखने की कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। मौजूदा समय में भी कई प्रकार की खामियां झेलनी पड़ रही है। इसी तरह से नोएडा एंटरप्रिंयोर्स एसोसिएशन (एनईए) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुधीर श्रीवास्तव का कहना है कि कस्टम में कई दिनों तक उद्यमियों का माल फंसा रहता है। इसे तय समय में डिलीवर करने के अलावा कस्टम से माल को पास कराने की प्रक्रिया को और भी सरल बनाने की जरूरत है। कई मामलों में उद्यमियों को जटिलता का समाना करना पड़ रहा है। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के नोएडा चैप्टर चेयरमैन नवीन गुप्ता का कहना है कि कस्टम की प्रक्रिया को और सरल बनाने की जरूरत है, ताकि कच्चे की आवक और निर्यात में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सके। उन्होंने कस्टम से मिलने वाले ड्रा बैक की प्रक्रिया में आने वाली खामियों को भी दूर करने की मांग की है।

जिला बार एसोसिएशन का एक फरवरी को होगा चुनाव

नोएडा। जिला बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव की घोषणा कर दी गई है। पांच सदस्यीय एल्डर कमेटी ने जिला बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। कमेटी के चेयरमैन सत्यपाल बालियान, सदस्य सत्यप्रकाश आर्य, धीर सिंह मलिक, पवन सैनी और संजय कुमार शर्मा ने कार्यकारिणी के चुनाव की घोषणा की। कार्यक्रम के अनुसार 24 और 25 जनवरी को उम्मीदवार नामांकन फार्म जिला बार भवन से प्राप्त कर सकेंगे। सभी उम्मीदवार 28 और 29 जनवरी को 12 से दोपहर दो बजे तक नामांकन फार्म भरकर जमा करा सकेंगे। 30 जनवरी को नामांकन फार्मों पर आपत्ति दी जा सकेगी, जिनका उसी दिन निस्तारण के बाद उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। मतदान एक फरवरी को सुबह 10 बजे शुरू होगा जो दो बजे तक चलेगा। बार भवन में ही मतगणना और परिणामों की घोषणा की जाएगी। चुनाव की घोषणा के साथ ही वकीलों ने एक दूसरे से संपर्क करना शुरू कर दिया है।

इनामियों की तलाश में छानी खाक, तीन टीमें लगाई गईं

नोएडा। मुकीम गिरोह के चार सदस्यों को मुठभेड़ में मार गिराने के बाद अब पुलिस ने गिरोह के अन्य वांछित सदस्यों की धरपकड़ तेज कर दी है। दूसरे दिन भी पुलिस ने 15 हजारी अलीपुर के जब्बार और झिंझाना के 25 हजार के इनामी जुबैर की तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी। पुलिस ने लोगों से भी इनामियों को पकड़वाने में सहयोग मांगा है। एसपी रामसेवक गौतम का कहना है कि तीन टीमों को गिरोह के सदस्यों को पकड़ने के लिए लगाया गया है। जल्द ही इनामी पुलिस की पकड़ में होंगे। खंद्रावली के बिलाल का भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। बिलाल के जम्मू कश्मीर में छिपने की आशंका है। वहां की पुलिस से भी सहयोग मांगा जाएगा।

कानपुर में अव्यवस्था की भेंट चढ़ा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह, बाहर बैठे बराती

कानपुर। ईको पार्क में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह अव्यवस्था की भेंट चढ़ गया। अकबरपुर, रनियां, सरवनखेड़ा ब्लॉक के 109 जोड़ों की शादी हुई। कानपुर देहात के ईको पार्क में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह अव्यवस्था की भेंट चढ़ गया। बरातियों को अंदर बैठने की जगह नहीं मिली। किसी तरह शादी की रस्में पूरी हुईं। इसके बाद जब भोजन की बारी आई तो किसी को दो पूड़ी व सब्जी मिली तो कुछ बरातियों को थाली साझा करनी पड़ी। व्यवस्था से नाराज लोगों ने शिकायत की तो राज्यमंत्री व सांसद ने जांच कराने की बात कही है। अकबरपुर, रनियां निकाय के अलावा अकबरपुर, सरवनखेड़ा ब्लॉक के 109 जोड़ों की शादी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह के तहत सोमवार को ईको पार्क में कराई गई। शादी समारोह में वर-वधू पक्ष की ओर से काफी संख्या में लोग भी जा पहुंचे। बैंड-बाजे में थिरकते हुए लोग जब ईको पार्क के सामुदायिक भवन में पहुंचे तो जगह कम पड़ गई। इस पर ज्यादातर बरात में आए लोग बाहर बैठे रहे। वहीं अंदर घर की कुछ महिलाएं, वर-वधू को बैठने के लिए मंडप पर स्थान दिया गया। अंदर ही वर-वधू को उपहार दिए गए। इसके साथ ही शादी की रस्में कराई गईं। मंच से आचार्य बैठकर शादी की रस्में कराते रहे। जबकि वर-वधू के पास कोई नहीं दिखा। अग्निकुंड में कहीं वर ने तो कहीं उनके साथ आए लोगों ने आग जलाई। इसके बाद भोजन शुरू हुआ तो अफरा-तफरी

मच गई। अचलीपुरवा सरवनखेड़ा से आए राम सिंह ने बताया कि उन्हें सिर्फ दो पूड़ी व सब्जी मिली, जब वह पहुंचे तो खाना कम पड़ गया था। वहीं अकबरपुर से बहन की शादी में शामिल होने आए सूरज ने बताया कि पांच लोगों में दो थाली मिली हैं, उसी में पांचों ने खाना खाया। समारोह खत्म हुआ तो वर-वधू के साथ आए लोग व्यवस्था को कोसते हुए नजर आए। वहीं, कुछ लोगों ने बताया कि उपहार की गुणवत्ता भी ठीक नहीं है। वहीं कुछ ने एक किलो व उससे कम सोहन पापड़ी देने की बात कही। हालांकि कार्यक्रम में उपस्थिति राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, एडीएम प्रशासन अमित कुमार, समाज कल्याण अधिकारी गीता सिंह, चेयरमैन प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह गुड्डन ने वर-वधू को आशीर्वाद देकर विदा किया। इस संबंध में जिला समाज कल्याण अधिकारी से कई बार फोन पर बात करने की कोशिश की गई। मगर उनका फोन नहीं उठा। सामूहिक विवाह समारोह मुख्यमंत्री की कल्याणकारी योजना है। इसमें लापरवाही की गई है। समारोह में पहुंचे लोगों को खाना नहीं मिला। कार्यक्रम स्थल पर मंडप की व्यवस्था नहीं थी। चार-चार जोड़े एक साथ बैठाए गए। सामान भी अच्छा नहीं था। एक बैग की चेन मैंने खोली तो वह टूट कर हाथ में आ गई। जिम्मेदार अधिकारी भी नहीं पहुंचे। पहली बार इस तरह की अव्यवस्था में कार्यक्रम हुआ है। रीति-रिवाज का ध्यान नहीं रखा गया। कम उम्र के ऐसे पंडित शादी करा रहे थे, जिन्हें ठीक से मंत्र भी नहीं आते थे। परिसर में अव्यवस्था थी। पूरे मामले की शिकायत मुख्यमंत्री व समाज कल्याण मंत्री से की गई है। कार्यक्रम में अव्यवस्था की शिकायत मिली है। मैंने जिलाधिकारी से भी बात की। मामले की जांच करा कर कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। - देवेंद्र सिंह भोले, सांसद अकबरपुर

सिकंदरा के एक गेस्ट हाउस में सोमवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में राजपुर नगर पंचायत से दो, सिकंदरा से 4 व राजपुर ब्लॉक से 51 व संदलपुर ब्लॉक 60 जोड़े शामिल हुए। यहां पर 117 जोड़ों की शादी कराई गई। जिसमें दो मुस्लिम जोड़े भी रहे। झींझक ब्लॉक के लक्ष्मणपुर पिलख निवासी गौरीशंकर ने बताया कि विवाह कार्यक्रम में भाग लिया है लेकिन उन्होंने पत्नी की मांग नहीं भरी है और न ही सात फेरे लिए है एक महीने के बाद वह बारात लेकर जाएगें। औरंगाबाद के सुरजीत ने बताया कि उन्होंने सात फेरे नहीं लिए है बारात लेकर जाएंगे। राजपुर के निवादा निवासी श्रीनिवास ने भी बाद में बारात लेकर जाने की बात कही। इधर सुबह 8 बजे कार्यक्रम स्थल में पहुंचे वर व वधू पक्ष के लोगों को दोपहर 2 बजे भोजन के लंच पैकेट दिए गए। लंच पैकेट में पर्याप्त भोजन नहीं होने से लोगों में नाराजगी दिखाई दी। सिकंदरा के प्रभारी अधिशाषी अधिकारी आशीष कमल, राजपुर ईओ नीति त्रिपाठी, राजपुर बीडीओ हरगोविंद गुप्ता मौजूद रहे। राजपुर ब्लॉक के अफसरिया निवासी अफसाना ने बताया कि उसने अपनी बेटी मुस्कान की सामूहिक विवाह से शादी के लिए आवेदन किया था। रविवार को उसने शादी की पूरी तैयारी कर ली थी। उसके कुछ रिश्तेदार भी घर पहुंच गए थे। रविवार देर शाम ब्लॉक के कर्मचारियों ने बताया कि उसका आवेदन निरस्त कर दिया गया है। जिसपर अफसाना ने कार्यक्रम स्थल पर आकर जमकर हंगामा किया। एडीओ समाज कल्याण आलोक चौबे ने बताया कि कार्यालय स्तर से पात्रता सूची में मुस्कान का नाम भेजा गया था। आवेदन निरस्त होने की जांच की जाएगी। आरएसजीयू इंटर कॉलेज मैदान में पुखरायां नगर पालिका, नगर पंचायत अमरौधा, मूसानगर के साथ अमरौधा व मलासा ब्लॉक के 118 जोड़ों का विवाह कराया गया। नगर पालिका अध्यक्ष पूनम दिवाकर सहित अधिकारियों ने सभी दंपतियों को शुभाशीष दिया। पुखरायां नगरपालिका ईओ अजय कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के तहत नगरपालिका परिषद के कुल 13 आवेदन स्वीकृत हुए। जिसमें से 12 जोड़ उपस्थित हुए। नगर पंचायत अमरौधा में पंजीकृत कुल 05 में से 04 जोड़े, मूसानगर के पंजीकृत 03 में 03 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। विकास खंड मलासा में पंजीकृत कुल 69 जोड़े में से 63 जोड़े और विकास खंड अमरौधा के पंजीकृत 39 जोते में से 36 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। जिसमें एक जोड़ा मुस्लिम रीति रिवाज से विवाह संपन्न हुआ। इस दौरान अशोक सचान, करूणाशंकर दिवाकर, एसडीएम डॉ. जीतेंद्र सिंह, तहसीलदार डॉ. प्रिया सिंह, नगर पंचायत मूसानगर ईओ संजय पटेल, ब्लॉक अमरौधा एडीओ बलवीर प्रजापति व ब्लॉक मलासा बीडीओ संजू सिंह सहित निकाय व ब्लॉक स्टाफ मौजूद रहा।

गंगाघाट में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट क्षेत्र में 76वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। पूरे क्षेत्र में सरकारी और गैर-सरकारी कार्यालयों, स्कूलों, और सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगा फहराया गया। गंगाघाट कोतवाली में प्रभारी अनुराग सिंह ने ध्वजारोहण किया और पुलिस टीम ने सलामी दी। गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर स्टेशन मास्टर ने ध्वज फहराया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में डॉक्टरों ने ध्वजारोहण किया, वहीं पशु चिकित्सालय और पालिका परिसर में पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे ने झंडा फहराया। इस मौके पर ईओ मुकेश कुमार मिश्रा, संदीप पांडे, सभासद और पालिका कर्मी मौजूद रहे। आजाद नगर ठाकुर खेड़ा स्थित सीएचसी में डॉक्टरों ने झंडा फहराया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में पूर्व नौसैनिकों ने गणतंत्र दिवस का सम्मान किया। सपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष वीरेन्द्र शुक्ला ने सिटी मोंटेसरी, धोबी पुलिया, गांधी चौक सहित कई स्थानों पर ध्वजारोहण किया। शंकरपुर गांव के रामलीला मैदान में किसान आंदोलन के प्रदेश संयोजक अजय अनमोल ने झंडा फहराते हुए किसानों के अधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। वहीं, शंकरपुर सरायं गांव में उन्नाव बार एसोसिएशन के महामंत्री पद के प्रत्याशी अनुज बाजपेई, अशोक बाजपेई और अनुराग बाजपेई ने ध्वजारोहण किया। सरोसी क्षेत्र में विद्या मोटर्स के सामने आशुतोष त्रिवेदी, विमलकांत और गिरजाकांत ने तिरंगा फहराया। गणतंत्र दिवस के इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला।

गणतंत्र दिवस पर नगर में सांस्कृतिक कार्यक्रम और देशभक्ति का जश्न

शुक्लागंज, उन्नाव। नगर के अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि संतोष कुमार त्रिवेदी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यालय के एमडी अजय त्रिवेदी और प्रधानाचार्या डेफिनी लेम्यूर भी मौजूद रहीं। सहजनी स्थित महर्षि स्कूल में पी.एन. शुक्ला और मयंक शुक्ला ने झंडा फहराया। इसके बाद बच्चों ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर फोरलेन पर एक रैली निकाली। कंचन नगर स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती मिशन इंटर कॉलेज में पी.एन. शुक्ला, प्रभात शुक्ला और विराट शुक्ला ने ध्वजारोहण किया। आनंद नगर स्थित शिवम कान्वेंट में प्रबंधक अंकुर शुक्ला और रश्मि शुक्ला ने तिरंगा फहराया। इसी प्रकार, मनसुख खेड़ा स्थित शिवांश कान्वेंट स्कूल में भी झंडा फहराया गया। देवारा कलां स्थित पूर्णिमा विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में पं. उमेश चंद्र मिश्रा ने ध्वजारोहण किया। दयानंद सरस्वती इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्या सुधा तिवारी, प्रबंधक संतोष तिवारी और अभिषेक तिवारी ने तिरंगा फहराया। एसपीजेडी स्कूल में भरत त्रिवेदी ने झंडा फहराते हुए बच्चों को देशभक्ति का संदेश दिया। डीएसएम पब्लिक स्कूल में अवनीश शुक्ला ने झंडा फहराया। संत विवेकानंद पब्लिक स्कूल में पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे और बीएल सैनी की उपस्थिति में झंडा फहराया गया। सरस्वती शिशु मंदिर गोपीनाथपुरम में श्रवण कुमार सिंह और गंगानगर स्थित विद्या मंदिर में रमेश तिवारी ने ध्वजारोहण किया।

जनपद में चारों ओर दिखा साहस, शौर्य, कौशल का कदमताल

उन्नाव। गणतंत्र दिवस पर पुलिस लाइन में ध्वजारोहण हुआ। रैतिक परेड व सलामी के अलावा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। पुलिस कर्मियों ने साहस, शौर्य और कौशल का प्रदर्शन किया। स्कूली बच्चों देश भक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए मनमोह लिया। रैतिक परेड की सलामी मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने किया। परेड में पुरुष एवं महिला पुलिसकर्मियों की टोलियां, आपात सेवा 112 की दो पहिया व चार पहिया पीआरवी, श्वान दल, दंगा नियंत्रण वाहन, फायर सर्विस, मिशन शक्ति टीम आदि शामिल रहीं। एसपी दीपक भूकर ने सभी को एकता और अखंडता की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि ने कहा कि हमारे देश की परंपरा रही है कि हम सर्व धर्म संभाव के साथ अपनी अखंडता को अक्षुण्य बनाए रखने में सफल रहे हैं। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाली टोलियों के कमांडर उपनिरीक्षक मुकुल कुमार दुबे, महिला उपनिरीक्षक रुचि राठौर और उपनिरीक्षक अंजनी सिंह को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने वाले आठ स्कूलों को भी प्रतीक चिह्न व प्रशस्तिपत्र दिए। देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले 200 बच्चों को उपहार देकर प्रोत्साहित किया। रैतिक परेड का संचालन कर रहे निरीक्षक अवनीश सिंह, मुख्य महिला आरक्षी दिव्या अवस्थी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समन्वयन करने वाले डॉ. आशीष श्रीवास्तव व डॉ. मनीष सेंगर को भी सम्मानित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में किंग्सन इंटर कॉलेज, विवेकानंद इंटर कॉलेज, राइजिंग स्टार डांस स्कूल, अखंड हिंद फौज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, प्राथमिक विद्यालय कटरी पीपरखेड़ा, चंद्रशेखर आजाद इंटर कॉलेज, पैट्रियाट इंटर कॉलेज के बच्चों ने मनमोहक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं। मुख्य अतिथि, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने पुलिस महानिदेशक की ओर से दिया गया प्लेटिनम प्रशंसा चिह्न, पुलिस

अधीक्षक दीपक भूकर को, उपनिरीक्षक बृजेश कुमार सिंह, बृजेश कुमार सिंह, कृष्णकांत शुक्ला, मुख्य आरक्षी सत्येंद्र कुमार, आशीष मिश्रा, विकास भदौरिया, रवि कुमार व गौरव कुमार को सिल्वर प्रशंसा चिह्न भेंट किया।

संपादकीय....

लाउडस्पीकर पर रोक

गाहे-बगाहे कोर्ट की सख्ती के बावजूद विभिन्न धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल बंद नहीं हुआ। दिनभर के थके-हरे लोग जब घर में आराम करते हैं तो लाउडस्पीकरों की तीव्र ध्वनि उनकी शांति में खलल डालती है। डॉक्टर भी कहते हैं कि नींद में किसी भी तरह का व्यवधान व्यक्ति के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। फिर जो लोग पहले से बीमार होते हैं,उनके लिये तो तेज शोर असहनीय होता है। लेकिन वर्तमान ध्रुवीकृत समाज में लाउडस्पीकरों का बेलगाम शोर प्रतिष्ठा का मुद्दा बन जाता है। लोग परेशान होने पर भी शिकायत नहीं करते। उन्हें डर होता है कि धार्मिक समूह उन्हें निशाना बना सकते हैं। विडंबना यह है कि नियामक एजेंसियां भी स्वत- संज्ञान लेते हुए कार्रवाई नहीं करती। इस बाबत दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार शोर-शराबे पर काबू करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। इसलिए ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने पुलिस से कहा कि धार्मिक स्थलों पर लगाए गए लाउडस्पीकरों के शोर को मापने के लिए ऐप का प्रयोग करे ताकि नियम का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा सके। उन पर जुर्माना लगे। फिर भी उल्लंघन होने पर प्रबंधकों व संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। यहां तक कि कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता की सुरक्षा के मद्देनजर उसकी पहचान गोपनीय रखी जाए। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के भीतर ऐसा सिस्टम लगे, जो उसकी ध्वनि के स्तर को स्वत- नियंत्रित करे। न्यायाधीशों की दो सदस्यीय बेंच ने माना कि निर्धारित मानक से अधिक शोर सेहत पर प्रतिकूल असर डालता है। अत- कोई व्यक्ति इसके इस्तेमाल को अपना अधिकार नहीं बता सकता। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक स्थलों से होने वाले शोर पर नियंत्रण के लिये ठोस प्रयास करे। कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी कहा कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों तथा जनसमूह को संबोधित करने वाले सिस्टम की शोर सीमा को नियंत्रित करे। नियामक एजेंसियां निगरानी व शोर नापने के लिये ऐप प्रयोग करे। नियमानुसार दिन में ध्वनि का स्तर 55 तथा रात में 45 डेसिबल से अधिक नहीं हो। दरअसल, मुंबई में कुर्ला क्षेत्र में एक धार्मिक स्थल से निर्धारित मानकों से अधिक स्तर का ध्वनि प्रदूषण रोकने में पुलिस की निष्क्रियता के खिलाफ यह याचिका दायर की गई थी। वास्तव में लोग तभी शिकायत करते हैं जब ध्वनि का स्तर सहने की सीमा पार कर जाता है। अदालत ने शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रख कर कार्रवाई करने को कहा ताकि उसे सांप्रदायिक आधार पर निशाना न बनाया जा सके। यदि जुर्माना लगाने के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो पुलिस धार्मिक स्थल पर लगे लाउडस्पीकर को जब्त करे। फिर उसके लाइसेंस को रद्द करने की कार्रवाई करे। साथ ही ध्वनि प्रदूषण नियंत्रक नियमों तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई हो। कोर्ट माना कि कठोर कानून के अभाव में लाउडस्पीकरों के उपयोगकर्ता नियम-कानून को नजरअंदाज करने लगते हैं। नियामक एजेंसियों की निष्क्रियता पर चिंता जताते हुए अदालत का कहना था कि लोग ध्वनि प्रदूषण को लेकर संविधान में वर्णित अभिव्यक्ति व धार्मिक आजादी का तर्क देते हैं, लेकिन इस पर रोक लगाना किसी भी स्थिति मे मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण नहीं है। अत- ध्वनि की कर्कशता पर अंकुश लगाकर लोगों को राहत दी जानी चाहिए। दरअसल, पुलिस ऐसे मामलों में इसलिए भी उदासीन रहती है कि कहीं उन पर धार्मिक भावनाएं आहत होने का आक्षेप न लगा दिया जाए। कमोबेश यह स्थिति पूरे देश में और विगत में आए अदालत के फैसले की भी अनदेखी की जाती रही है। कई बार तो प्रशासन की अनुमति के बिना सार्वजनिक कार्यक्रमों का लाउडस्पीकरों से संबोधन बदस्तूर जारी रहता है। लोग इसलिये भी शिकायत नहीं करते हैं ताकि कोई टकराव न हो। धर्म विशेष के लोग उनके घरों के आसपास ही रहते हैं। ऐसे में उन्हें हिंसा की आशंका रहती है। निस्संदेह, नियंत्रण के लिए ढाई दशक पहले बनाये गए ध्वनि प्रदूषण विनियमन व नियंत्रण नियमों को बदलते वक्त के साथ प्रभावी बनाने की जरूरत है।

पराक्रम दिवस दृढ़ निश्चयी, करिश्माई और प्रेरक व्यक्तित्व थे बोस

सुभाष चंद्र बोस (23 जनवरी 1987-18 अगस्त 1945) भारत माता के उन सपूतों में अग्रणी हैं जिन्होंने भारत में ही नहीं अपितु विदेशों में जाकर जोखिम उठाते हुए ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध आजादी की लड़ाई में अतुलनीय योगदान दिया। नेताजी ने अपना जीवन राष्ट्रीय मुक्ति के लिए न्योछावर कर दिया। नेताजी एक ऐसे उत्कृष्ट राष्ट्रवादी, महान देशभक्त, सैन्य वीर एवं योद्धा, सफल प्रबंधक एवं संगठनकर्ता, समाजवादी क्रांतिकारी, यथार्थवादी, अस्तित्ववादी राजनीतिक, ओजस्वी वक्ता, लेखक एवं करिश्माई विराट व्यक्तित्व के धनी थे जिनके रोम-रोम में स्वदेश प्रेम, आत्म त्याग, बलिदान, कुर्बानी, आत्मविश्वास, स्वतंत्रता और राष्ट्र प्रेम की भावना अतुलनीय थी। वह एक महान क्रांतिकारी, प्रचारक, संघर्षशील, जुझारू एवं राजनीतिक विभूति थे। 23 जनवरी 1897 को उनका जन्म हुआ था। कोलकाता विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात अपनी विलक्षण बुद्धि, प्रतिभा, सुदृढ़ आत्मविश्वास, परिश्रम, एकाग्रचित लग्न व अपने आदर्शों के लिए प्रति उच्च श्रेणी की निष्ठा के कारण सन 1920 में भारतीय नागरिक सेवा (इंडियन सिविल सर्विस) की परीक्षा उत्तीर्ण की। सन 1921 में केवल 24 वर्ष की आयु में आईसीएस नौकरी में से त्यागपत्र दे दिया और राष्ट्रीय मुक्ति के संघर्ष में कूद पड़े। उनकी राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और आध्यात्मिक विचारधारा पर बाल्यकाल से ही रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, और अरबिंदो घोष का अत्यधिक प्रभाव था। स्वामी विवेकानंद ने उन्हें निजी मोक्ष एवं मानवता के कल्याण का मार्गदर्शन किया। बोस के चिंतन पर रूस की साम्यवादी क्रांति का प्रभाव भी था जिसके कारण उन्होंने गांधीवाद और दक्षिणपंथी विचारधारा से समझौता नहीं किया। उनके राष्ट्रवादी चिंतन पर कमाल पाशा, डी वलेरा, मुसोलिनी, हिटलर इत्यादि का प्रभाव भी था। जब 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला हत्याकांड में अमृतसर के सिविल सर्जन डॉक्टर स्मिथ के अनुसार लगभग 1800 स्त्री ,पुरुष व बच्चे मारे गए और फिर समस्त भारत में क्रांतिकारी आंदोलन की चिंगारी भड़कने लगी। जेल भरो आंदोलन पर दिया जोर -जब असहयोग आंदोलन अपने चरम पर था, चोरा चोरी की

हिंसात्मक घटना के परिणाम स्वरुप महात्मा गांधी ने अचानक आंदोलन समाप्त कर दिया। बोस सहित असंख्य कांग्रेसियों, देश भक्तों एवं भगत सिंह जैसे युवा क्रांतिकारियों का महात्मा गांधी के नेतृत्व से विश्वास लगभग समाप्त हो गया। बोस ने ब्रिटिश साम्राज्यवादी सरकार को हतोत्साहित करने व उखाड़ फेंकने के लिए जेल भरो आंदोलन, महिलाओं को समान अधिकार प्रदान करने व हिंदू-मुस्लिम एकता पर बल दिया। हरिपुरा अधिवेशन (1938) व त्रिपुरी अधिवेशन (1939) में नेताजी कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। त्रिपुरी अधिवेशन में कांग्रेस में मतभेदों के कारण अध्यक्ष पद त्यागपत्र दे दिया और अपने संघर्ष को जारी रखने के लिए सन_ 1939 में उन्होंने फॉरवर्ड ब्लॉक स्थापना की। भावी भारत के निर्माण के लिए उनका चिंतन वर्तमान अभिजात्य शासक वर्ग के चिंतन के बिल्कुल विपरीत था कांग्रेस के हरिपुर सम्मेलन, 1938 में उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा, 'मुझे इसमें तनिक भी संदेह नहीं है कि हमारी दरिद्रता, निरक्षरता और बीमारी के उन्मूलन व वैज्ञानिक उत्पादन और वितरण से संबंधित समस्याओं का समाधान समाजवादी मार्ग पर चलकर ही किया जा सकता है। अपने करिश्माई विराट व्यक्तित्व, राजनीतिक विचारों, उग्र संघर्ष, श्रेष्ठ बौद्धिकता, ओजस्वी वक्ता तथा अदम्य साहस के कारण नेताजी शिखर पर पहुंच चुके थे और वह जनता के हृदय सम्राट बन गए। 1 सितंबर 1939 को द्वितीय विश्व युद्ध प्रारंभ हो गया। इस युद्ध के समय सुभाष चंद्र बोस तथा अनेक क्रांतिकारियों की यह नीति थी कि 'दुश्मन का दुश्मन दोस्त होता' है। 28 मार्च 1941 को हवाई जहाज के द्वारा मास्को से जर्मनी गए तथा हिटलर से मुलाकात की। जर्मनी से 13 जून 1943 को जापान जाने में सफलता प्राप्त की। 12 फरवरी 1942 को जापान की सहायता से मोहन सिंह के द्वारा आजाद हिंद फौज (इंडियन नेशनल आर्मी) की स्थापना की गई। आजाद हिंद फौज में हरियाणा के 398 अधिकारी तथा 2,317 सैनिक थे। एक अन्य स्रोत के अनुसार हरियाणा से 2,847 सैनिक थे, जिनमें से 346 सैनिक वीरों ने अपनी कुर्बानी देकर देश की स्वतंत्रता के लिए अभूतपूर्व योगदान दिया। इनमें करनाल जिले के 119 सैनिक और 14 अधिकारी थे। करनाल जिले के 5 सैनिक तथा अधिकारी शहीद हुए थे। जून 1943 में सुभाष चंद्र बोस इसके कमांडर इन चीफ बने। सुभाष चंद्र बोस ने 21 अक्तूबर 1943 को अंतरिम सरकार की स्थापना की जिसको जर्मनी, इटली और जापान सहित विश्व के नौ राज्यों ने मान्यता प्रदान की। आजाद हिंद फौज भारतीय भूमि में प्रवेश करने में सफल हो गई। बोस ने आजाद हिंद फौज को 'दिल्ली चलो' का उद्घोष दिया जो आज भी भारत की जनता में धैर्य और जोश पैदा करता है। 18 अगस्त 1945 को टोक्यो जाते हुए वह हवाई जहाज में आग लगने के कारण वीरगति को प्राप्त हुए, हालांकि उनकी मृत्यु के संबंध में विवाद भी रहे हैं। आजाद हिंद फौज के प्रभाव के कारण भारतीय नागरिक सेवा, भारतीय सेनाओं- इंडियन नेवी, एयरफोर्स, आर्मी, (पूर्वी कमान कोलकाता) और पुलिस में बगावत हो गई। परिणाम स्वरूप रिपोर्ट जब गवर्नर ऑफ इंडिया के द्वारा इंग्लैंड की कैबिनेट को भेजी गई तो उनके सामने एक ही वैकल्पिक था, उनको भारत छोड़कर जाना पड़ा। आजाद हिन्द फौज के प्रयाण गीत क़िक मार्च की रचना राम सिंह ठकुरि ने की थी। इस की धुन(ट्यून) भारतीय सेना के प्रयाण गीत के रूप में आज भी प्रयोग होती है़कदम-कदम बढ़ाये जाऽ .ख़ुशी के गीत गाये जा। यह जिंदगी है कौम की तू कौम पे लुटाये जा। आजाद हिंद फौज के 17000 सैनिकों को अलग-अलग स्थानों पर जेलों में डाला दिया गया। जेलों में बंदी सैनिकों को फांसी देने के लिए मुकदमें नवंबर 1945 में शुरू हुए। इनमें सबसे प्रसिद्ध अभियोग लाल किले में चलाया गया।

नये संकल्पों एवं नये प्रयोगों से समृद्ध होता गणतंत्र

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद ने भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इसने ब्रिटिश शासन के भारत सरकार अधिनियम 1935 को पूरी तरह खत्म कर दिया और अपना स्वतंत्र संविधान इसी दिन लागू किया। इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इस वर्ष की थीम 'स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। किसानों, शिक्षकों, न्यायविदों, मजदूरों, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और इंजीनियरों की विविध भूमिकाओं की सामूहिक शक्ति हमारे देश को 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' की भावना के अनुरूप आगे बढ़ने में सक्षम बना रही है। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के साथ-साथ पूरे भारत से कई ऐसे लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है जिन्होंने अपने गांव, समाज एवं राष्ट्रमें विकास के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है, इस तरह इस बार गणतंत्र दिवस समारोह ऐसे अनेक नये प्रयोगों एवं प्रदर्शनों का साक्षी बन रहा है। भारतीय संविधान दुनिया का सबसे विशिष्ट संविधान माना जाता है। भारत की संविधान सभा ने दुनिया के सभी संविधानों का अध्ययन किया और हर संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को अपने संविधान में शामिल किया। नागरिक स्वतंत्रता के जितने अधिकार भारतीय संविधान में हैं उतने दुनिया के किसी अन्य संविधान में नहीं। भारतीय संविधान की दूसरी विशेषता संविधान की विशालता एवं समग्रता है। भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता का प्रावधान तो है लेकिन इसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्मानुसार आचरण करने की पूरी स्वतंत्रता है। इसमें नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य की स्पष्ट विवेचना है। इसमें संघात्मकता भी है और एकात्मकता भी है। भारतीय संविधान में सत्ता चयन के लिये संसदीय प्रणाली को सुनिश्चित किया है तथा संचालन के लिये विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसे तीन अंग सुनिश्चित किये। भारतीय संविधान में केंद्र और राज्य सरकार के बीच विषयों और कार्यों का स्पष्ट विभाजन है। केन्द्र सरकार को कुछ आपात अधिकार भी दिये गये हैं जिससे वह केन्द्र राज्य में हस्तक्षेप कर सकता है। इतने अनूठे, विलक्षण एवं समग्र संविधान के बावजूद छिहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा रहा। लेकिन अब इन राष्ट्रीय पर्वों को मनाते हुए संप्रभुता का अहसास होने लगा है। गणतंत्र का जब हम जश्न मनाते हैं, तो उसमें कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी जागती है तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचैनी भी दिखती है। हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास मुखर होता है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी सामने आती है। अब होने लगा है हमारी स्व-चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व-पहचान का अहसास। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक,

सामुदायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थ की सुनहरी छटाएं हैं राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी हैं। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो आखिर क्यों! क्यों हम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सुदृढ़ता नहीं दे पाये हैं? क्यों गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेरे रखा है? यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन-व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वात्मना नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है। बावजूद अभी भी देश की राजनीति अनेक विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से घिरी है। यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त-मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, तीनों प्रमुख रजनीतिक दल नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं। एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरु करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके तीसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही है, कुछ समय पूर्व हमने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के मन्दिर के शिलान्यास का दृश्य देखा। काशी में विश्वनाथ धाम का जो विकास हुआ है, उसे देखा। इनदिनों प्रयागराज में महाकुंभ का दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक अनुष्ठान होते हुए हम देख रहे हैं। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा-दिशा बदल सकती है। कैसे देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर किया जा सकता है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पडोसी देशों को चेता सकती है, कैसे दुनिया की महाशक्तियों के बीच भी अडिग खड़ी रह सकती है? कैसे स्व-संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए भारत में धर्मस्थलों और तीर्थों के विकास की किसी भी पहल की भी प्रशंसा होनी ही चाहिए। महाकुंभ की एक चमत्कारपूर्ण एवं विलक्षण आभा सामने आयी है, जो हमे गर्वित कर रही है। भारत के गणतंत्र में और भी चार-चांद लग रहे हैं, जैसे प्रयागराज हो, काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य- ये अजूबे एवं चौंकाने वाले लगते हैं। इन परिदृश्यों को केवल चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए विशेष रूप से गौरवान्वित करेगी। वाकई यहां अब कोई संदेह शेष नहीं है कि मोदी सरकार देश व समाज को बदल रही है, लोगों का जीवनस्तर उन्नत कर रही है।

स्वर्णिम भारत का पर्याय है सांस्कृतिक विरासत

नई दिल्ली। भारत में वर्ष 2025 में 76 वाँ गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। संविधान लागू हुए 75 वर्ष पूरे हो गए। गणतंत्र दिवस 2025 की थीम/प्रसंग है– स्वर्णिम भारत–विरासत और विकास। गणतंत्र दिवस 2025 के मुख्य अतिथि के तौर पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो को चुना गया। भारतीय संविधान की प्रस्तावना को 13 दिसंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा संविधान सभा में पेश किया गया था। इसे 22 जनवरी 1947 को स्वीकार किया गया था। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अपनाया गया। आजादी के बाद देश को चलाने के लिए डॉ भीमराव अम्बेडकर के नेतृत्व में हमारे देश का संविधान लिखा गया। जिसे लिखने में पूरे 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन लगे। 26 जनवरी 1950 में भारतीय संविधान को लागू किये जाने के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। गणतंत्र दिवस की पहली परेड 1955 ई. को दिल्ली के राजपथ पर हुई थी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति तिरंगा फहराते हैं और हर साल 21 तोपों की सलामी दी जाती है। गणतंत्र दो शब्दों से मिलकर बना है। गण और तंत्र। वैदिक काल में गण का शाब्दिक अर्थ था दल/समूह/लोक। तंत्र का शाब्दिक अर्थ होता है डोरा/सूत (रस्सी)। अर्थात ऐसी रस्सी/डोरा, जो लोगों के समूह को जोड़े। लोकतंत्र कहलाता है और यही गणतंत्र है। अतएव हम कह सकते हैं कि गणतंत्र दिवस भारतीय संविधान को लागू किये जाने का द्योतक है। संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द बाद में भारत की भूतपूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी द्वारा

भारतीय आपातकाल के दौरान जोड़े गए थे। भारत में आपातकाल (25 जून 1975 – 21 मार्च 1977) के दौरान, इंदिरा गांधी सरकार ने संविधान के बयालीसवें संशोधन में कई बदलाव किए थे। इसी संशोधन के ज़रिए समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को संप्रभु और लोकतांत्रिक शब्दों के बीच जोड़ा गया और राष्ट्र की एकता शब्दों को राष्ट्र की एकता और अखंडता में बदल दिया गया। भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश है। अतएव भारत में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक दृष्टि से स्वावलम्बन, स्वाभिमानता और समानता परिलक्षित होती है। स्वावलम्बिता, स्वाभिमानिता और समानता के मूल में स्वाधीनता वास करती है। अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, विचारों की स्वतन्त्रता, विश्वास की स्वतन्त्रता, आस्था और पूजा की स्वतन्त्रता स्वतंत्र भारत की पहचान है। अतएव हम कह सकते हैं कि अक्षुण्ण विरासत और विकास की सेतु पर खड़ा सविधान ही भारतीय गणतंत्र व्यवस्था की पहचान है। आत्मविश्वास का होना ही आपको आत्मनिर्भर बनाता है। भगवद गीता में लिखा है नायं आत्मा बलहीनेन लभ्यः अर्थात यह आत्मा बलहीनो को नहीं प्राप्त होती है। आत्मबल ही आत्मविश्वास की जननी है। आत्मबल और आत्मनिर्भर शब्द एक दूसरे के पूरक हैं। आत्मनिर्भरता, स्वावलम्बी होने को दर्शाता है। स्वावलम्बन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलम्बी अवश्य होना चाहिए। रामराज्य की परिकल्पना मोहनदास करमचंद गांधी की दी हुई थी। गांधीजी ने भारत में अंग्रेजी हुकूमत से मुक्ति के पश्चात ग्राम स्वराज के रूप में रामराज्य की कल्पना की थी। आत्मनिर्भरता, रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित है। आत्मनिर्भर भारत की नींव गांधी के रामराज्य पर टिकी थी। गाँधी जी का स्वराज्य, रामराज्य की परिकल्पना का आधार था। स्वराज का अर्थ है जनप्रतिनिधियों द्वारा संचालित ऐसी व्यवस्था जो जन–आवश्यकताओं तथा जन–आकांक्षाओं के अनुरूप हो। यही स्वराज्य रामराज्य कहलाया। स्वराज का तात्पर्य स्वतंत्रता से है। बिना आत्मनिर्भर हुए स्वतंत्र नहीं हुआ जा सकता है। आत्मनिर्भरता या स्वावलम्बिता स्वतंत्र होने की एक कड़ी है। जब हम स्वतंत्र होंगे तभी हम स्वाभिमानी होंगे अर्थात स्वाभिमानिता के लिए स्वाधीनता जरुरी है। हिन्दुस्तान को गांधी का रामराज्य चाहिए। राम राज्य भगवान राम के पुरुषार्थ और शासन का द्योतक है। भगवान राम सहिष्णुता के प्रतीक थे। राम सत्य के प्रतीक थे। तभी तो भगवान् राम ने रामराज्य स्थापित किया था। आज आत्मनिर्भर भारत बनाने की बात हो रही है और वहीं दूसरी ओर विदेशी कम्पनियाँ और विदेशी सामान की हिन्दुस्तान में बाढ़ आ गई है। प्रत्येक संस्था का निजीकरण होता जा रहा है। बेरोजगारी बढ़ रही है। आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ा है। यदि स्वावलम्बन, समानता और स्वाभिमान की बात करनी हो तो गांधी के रामराज्य की कल्पना करनी होगी। अतएव हम कह सकते हैं कि स्वतन्त्रता, गांधी के रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित होनी चाहिए। सभी राजनैतिक पार्टियों को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के विचारों को आत्मसात करने की जरुरत है। वास्तव में भारत तभी स्वावलम्बी और स्वाभिमानी बन पाएगा। भारत को रामराज्य की परिकल्पना अपने पूर्वजों या पुरखों से विरासत में मिली हैं। रामराज्य की परिकल्पना रूपी विरासत को संजोकर रखने की जरुरत है। अयोध्या का राम मंदिर अपनी सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय उदाहरण है। भगवान् राम की प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम मंदिर को पुनर्जीवित करना ही अपनी विरासत को सम्हालने का एक अच्छा उदहारण है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस पुण्य कार्य का श्रेय जाता है। किसी भी देश की विरासत उस देश के विकास की आधारशिला होती है। पुरखों से प्राप्त वस्तु, सम्पत्ति आदि को विरासत कहा जाता है। पूर्वजों द्वारा प्राप्त की गई वस्तु या संपत्ति आदि को ही विरासत कहा जाता है। विश्व में भारत अपने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, और आर्थिक दृष्टिकोण से स्वर्णिम स्थान रखता है। भारत विविध धर्मों, जातियों, भाषाओं,और संस्कृतियों का देश रहा है। भारत में मुख्यतः निम्नलिखित विरासतें हैं–1.सांस्कृतिक विरासत 2.प्राकृतिक विरासत 3. मिश्रित विरासत। सांस्कृतिक विरासत दो प्रकार की होती है– मूर्त संस्कृति और अमूर्त संस्कृति। सांस्कृतिक विरासत में मूर्त संस्कृति जैसे इमारतें, स्मारक, परिदृश्य, अभिलेखीय सामग्री, किताबें, कला के कार्य और कलाकृतियाँ आदि आते हैं। अमूर्त संस्कृति जैसे लोकगीत, परंपराएँ, भाषा और ज्ञान) और प्राकृतिक विरासत (सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण परिदृश्य और जैव विविधता सहित) शामिल हैं। मिश्रित विरासत स्थलों में प्राकृतिक और सांस्कृतिक दोनों प्रकार के महत्त्वपूर्ण तत्त्व शामिल होते हैं। भारत में 43 यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्रित स्थान शामिल हैं। भारत में यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) द्वारा अनुरक्षित मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में 15 अमूर्त सांस्कृतिक विरासत घटक शामिल हैं। इन धरोहर स्थलों से विदित होता है कि भारत ने विरासत में अपने पूर्वजों से और प्रकृति से स्वर्णिम धरोहर प्राप्त किये।

नई सरकार में मनीष सिसोदिया ही होंगे डिप्टी सीएम

नई दिल्ली। रविंद केजरीवाल ने कहा कि जनसभा में उपस्थित जनता ने साफ़ कर दिया है कि वो 5 फ़रवरी को झाड़ू का बटन दबाकर दिल्ली को बर्बाद करने की साज़िश रचने वाली बीजेपी को करारा सबक सिखाएगी और 'शिक्षा क्रांति के जनक' मनीष सिसोदिया जी को ही जिताएगी। दिल्ली में 5 फरवरी को चुनाव होने हैं। दिल्ली की सभा 70 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे। हरेक पार्टी की ओर से चुनाव प्रचार जोरों पर हैं। इसी क्रम में अरविंद केजरीवाल ने जंगपुरा विधानसभा से आप के उम्मीदवार और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने जंगपुरा में प्रचार के दौरान कहा कि आम आदमी पार्टी की नई सरकार में मनीष सिसोदिया ही डिप्टी सीएम होंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जनसभा में उपस्थित जनता ने साफ़ कर दिया है कि वो 5 फ़रवरी को झाड़ू का बटन दबाकर दिल्ली को बर्बाद करने की साज़िश रचने वाली बीजेपी को करारा सबक सिखाएगी और 'शिक्षा क्रांति के जनक' मनीष सिसोदिया जी को ही जिताएगी। जनसभा को संबोधित करते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जिस–जिस को जीरो बिजली का बिल चाहिए, वे आप को वोट दें और जिसको महंगी बिजली का बिल चाहिए वे भाजपा को वोट दें। भाजपा ने घोषणा कर दिया है कि अगर उनकी सरकार आई तो वे जीरो बिजली के बिल, बिजली पर सब्सिडी बंद कर देंगे... वे मुफ्त बिजली के खिलाफ हैं। पूरे देश में सिर्फ़ दिल्ली और पंजाब में 24 घंटे और मुफ्त बिजली मिलती है, बीजेपी की 20 राज्यों में सरकार है, एक भी राज्य में 24 घंटे बिजली नहीं मिलती। अगर गलती से कमल का बटन दबा दिया तो आपकी बिजली गुल हो जाएगी। केजरीवाल ने कल्याणकारी योजनाओं को 'रेवड़ी' बताने के लिए भाजपा पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि भाजपा मध्यम वर्ग में अपराध बोध पैदा करने की कोशिश कर रही है, जबकि बड़े कारोबारियों को भारी छूट दी जा रही है। उन्होंने सवाल किया कि जब भाजपा अपने दोस्तों के हजारों करोड़ रुपये के कर्ज माफ करती है, तो क्या यह रेवड़ी नहीं है? दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव पांच फरवरी को होंगे और मतगणना आठ फरवरी को होगी।

उत्तर प्रदेश अपने दृढ़ संकल्प, अथक प्रयासों से नित नया कीर्तिमान रच रहा :राज्यपाल

लखनऊ। राज्यपाल ने कहा, उत्तर प्रदेश ने विनिर्माण क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। पर्यटन की दिशा में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य बनता जा रहा है। इसके साथ ही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीब कल्याण के कार्य हुए हैं। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने शुक्रवार को कहा कि अपने दृढ़ संकल्प और अथक प्रयासों से उत्तर प्रदेश नित नया कीर्तिमान रच रहा है। पटेल ने लखनऊ के अवध शिल्पग्राम में आयोजित उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा, यह एक गौरवपूर्ण अवसर है। उत्तर प्रदेश ने 2018 से स्थापना दिवस को उत्सव और भव्यता के साथ मनाने की शुरुआत की। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश भारत की आत्मा है। यहां धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के साथ विकास के असीमित अवसर हैं। इस पावन भूमि पर भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, महात्मा बुद्ध और कबीर जैसी महान विभूतियों ने जन्म लिया। प्रदेश में 500 साल बाद भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बना। राज्यपाल ने कहा, उत्तर प्रदेश ने विनिर्माण क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। पर्यटन की दिशा में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य बनता जा रहा है। इसके साथ ही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीब कल्याण के कार्य हुए हैं।

नरेला में बोले अमित शाह– 8 फरवरी को होगा केजरीवाल के कुशासन का अंत

नई दिल्ली। अमित शाह ने कहा कि आज 76वां गणतंत्र दिवस है और 75 साल पूरा कर हमारा संविधान 76वें साल में प्रवेश कर रहा है। इन 75 वर्षों में देश की जनता ने देश के लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत किया है। दिल्ली के नरेला में अमित शाह ने जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आम आदमी पार्टी की सरकार पर जमकर निशाना साधा। अमित शाह ने कहा कि आज 76वां गणतंत्र दिवस है और 75 साल पूरा कर हमारा संविधान 76वें साल में प्रवेश कर रहा है। इन 75 वर्षों में देश की जनता ने देश के लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत किया है। ये लोकतंत्र का ही कमाल है कि एक गरीब चाय वाले का बेटा तीसरी बार प्रधानमंत्री चुनकर आया है। ये लोकतंत्र का ही कमाल है कि एक गरीब आदिवासी की बेटी बहन द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बनी हैं, एक सामान्य जाट किसान का बेटा भारत का उप–राष्ट्रपति बना है और इससे पहले एक एक गरीब दलित का बेटा श्री राम नाथ कोविंद जी राष्ट्रपति बने थे। केजरीवाल के कुशासन का अंत 8 तारीख को होगा। केजरीवाल के शासन के दौरान दिल्ली बद से बदतर हो गई। 10 साल में, देश के कई राज्य जहां पर डबल इंजन की सरकार बनी, वो कहां से कहां पहुंच गए, लेकिन दिल्ली को जलभराव, गंदे पानी, कूड़े से जूझना पड़ रहा है। इन्होंने न केवल अव्यवस्थाएं फैलाई हैं, बल्कि हमारे पूर्वांचलियों का अपमान भी किया है। ये कहते हैं कि पूर्वांचली फर्जी वोटर हैं। केजरीवाल जी क्या बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड से आए मेरे भाई–बहनों को दिल्ली में वोट देने का अधिकार नहीं है? देशभर में सभी को आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख तक का इलाज मुफ्त मिल रहा है, लेकिन केजरीवाल जी के कारण दिल्ली के लोगों को ये फायदा नहीं मिल रहा है। लेकिन दिल्ली वालों, चिंता मत करो, आप–दा जाने वाली है कमल आने वाला है। हम पांच लाख नहीं, 10 लाख तक का इलाज मुफ्त देंगे। इन्होंने (आप) झूठ बोलकर वोट बटोरा और आगे बढ़ने का काम किया है। आप का मतलब है– अवैध आमदनी वाली पार्टी... दिल्ली के पैसों से ये (आप) पंजाब, गुजरात, गोवा... का चुनाव लड़ते हैं।

श्रीकृष्ण के श्राप से आज भी धरती पर भटक रहा महाभारत का यह वीर योद्धा, क्रोध ने कर दिया था सबकुछ बर्बाद

अश्वत्थामा महाभारत के सबसे आकर्षक पात्रों में से एक है। महान योद्धा-शिक्षक द्रोणाचार्य के पुत्र के रूप में उनका जीवन संघर्षों और अंत में एक दुखद नियति का मिश्रण था। ऐसा माना जाता है कि अश्वत्थामा अमर है और आज भी वह जंगलों में भटक रहे हैं। चलिए आपको बताते हैं कि अश्वत्थामा कौन है और वह भारतीय पौराणिक कथाओं में इतना दिलचस्प व्यक्ति क्यों बना हुआ है। अश्वत्थामा पांडवों-कौरवों के गुरु द्रोणाचार्य और कृपी के पुत्र थे। द्रोणाचार्य ने भगवान शिव के कई वर्षों के ध्यान और प्रार्थना के बाद अश्वत्थामा को प्राप्त किया था। अश्वत्थामा कोई साधारण बच्चा नहीं था। वह अपने माथे पर एक मणि के साथ पैदा हुआ था, जो उसे भूख, प्यास, बीमारी और हथियारों से बचाया करती थी। हालांकि इसके बावजूद अश्वत्थामा का बचपन आसान नहीं था। उनका परिवार गरीब था। अपनी स्थिति से परेशान द्रोणाचार्य अपने पुराने मित्र राजा द्रुपद से मदद मांगने पहुंचे, लेकिन उन्होंने गुरु का अपमान किया। इसके बाद द्रोणाचार्य हस्तिनापुर के शाही बच्चों, पांडवों और कौरवों का शिक्षक बन गया। उसने अश्वत्थामा को युद्ध कौशल भी सिखाया, जिससे वह बेहद कुशल योद्धा बना। इस बीच, बड़े होते हुए अश्वत्थामा ने कौरवों में सबसे बड़े दुर्योधन के साथ मजबूत रिश्ता बनाया। एक बार, दुर्योधन ने अश्वत्थामा को बढ़िया घोड़ा उपहार में दिया, जो उनकी वफादारी का प्रतीक भी था। महाभारत युद्ध से पहले द्रोणाचार्य ने वर्षों पहले द्रुपद द्वारा किए गए अपमान का बदला लेने की कोशिश की। उन्होंने अपने छात्रों से गुरु दक्षिणा में द्रुपद को बंदी बनाने के लिए कहा, जिसमें पांडव सफल रहे। द्रोणाचार्य ने द्रुपद के राज्य को विभाजित कर दिया। इसके बाद अश्वत्थामा को इसके उत्तरी भाग का राजा बनाया गया। पुराणों अनुसार, अश्वत्थामा ने युद्ध में अहम भूमिका निभाई थी। 10वें दिन भीष्म के मारे जाने के बाद उनके पिता कौरव सेना के सेनापति बने। हालांकि द्रोण एक शानदार रणनीतिकार थे, लेकिन वे दुर्योधन से किए वादे के अनुसार युधिष्ठिर को नहीं पकड़ पाए। इससे दुर्योधन निराश हो गया और द्रोण व अश्वत्थामा दोनों के साथ उसके रिश्ते खराब हो गए। श्रीकृष्ण की मदद से पांडवों ने द्रोण को यह विश्वास दिलाया कि अश्वत्थामा मर चुका है। इससे दुखी होकर, द्रोण ने अपने हथियार त्याग दिए और धृष्टद्युम्न द्वारा मारे गए। जब अश्वत्थामा को पता चला कि उसके पिता को धोखे से मारा गया है तो वह क्रोध से भर गया। उसने अपने सबसे शक्तिशाली व दिव्य अस्त्रों में से एक नारायणास्त्र का प्रयोग किया, जो पूरे युद्ध को एक बार में ही समाप्त कर सकता था। मगर, श्रीकृष्ण ने चतुराई से पांडव सेना को लेटकर आत्मसमर्पण करने की सलाह दी, ताकि नारायणास्त्र का प्रभाव बेअसर हो जाए। फिर उसने एक और शक्तिशाली अस्त्र अग्नियास्त्र का भी इस्तेमाल किया, लेकिन अर्जुन के वरुणास्त्र ने इसका जवाब दिया। दुर्योधन की मृत्यु के बाद, अश्वत्थामा ने बदला लेने की कसम खाई। उसने कृपा और कृतवर्मा के साथ मिलकर रात में पांडव शिविर पर हमला किया। अंध क्रोध में उसने धृष्टद्युम्न और द्रौपदी के पांच पुत्रों को पांडव समझकर मार डाला। पांडवों को इस बात का पता चला तो उन्होंने ब्रह्मशिरा अस्त्र का इस्तेमाल करने की कोशिश की, लेकिन ऋषि व्यास ने युद्ध रोक दिया। इसके बाद अश्वत्थामा को हथियार वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा, लेकिन उसके पापों की सजा के रूप में श्रीकृष्ण ने उसे श्राप दे दिया। उसकी मणि निकाल ली गई और उसे अनंत काल तक अपने कर्मों का दर्द सहते हुए पृथ्वी पर भटकने का श्राप दिया गया। आज भी कई लोग मानते हैं कि अश्वत्थामा अभी भी जीवित हैं और श्रीकृष्ण के श्राप के कारण पृथ्वी पर भटक रहे हैं। उनकी यह कहानी इस बात की याद दिलाती है कि कैसे क्रोध और गलत विकल्प सबसे शक्तिशाली जीवन को भी बर्बाद कर सकते हैं।

महाकुंभ में हुआ भगवान शिव पर अनूठा फैशन,भक्तों ने गाये भजन

आधुनिक पीढ़ी को भगवान शिव से जुड़े विभिन्न पहलुओं के पीछे छिपे विज्ञान से अवगत कराने और उन पहलुओं की दैनिक जीवन में प्रासंगिकता के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से शनिवार को शैव-फैशन शो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान की प्रवक्ता, साध्वी तपेश्वरी भारती ने बताया कि सेक्टर-नौ में स्थित दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के शिविर में हुए शैव-फैशन शो के लिए दिल्ली से आए मॉडलों ने शिवमय गीत संगीत पर महादेव के विभिन्न स्वरूपों को मंच पर बखूबी दर्शाया। इस कार्यक्रम में साध्वी डॉक्टर निधि भारती ने भगवान शिव के विभिन्न आभूषणों एवं वेशभूषा जैसे कि उनकी जटाजूट, त्रिशूल, बाघम्बर वस्त्रों इत्यादि के पीछे छिपे विज्ञान और उनकी आध्यात्मिक प्रासंगिता उजागर की। साध्वी तपेश्वरी भारती ने बताया कि कार्यक्रम में भगवान महादेव के तांडव पर आधारित अनोखे व्यायाम भी सिखाये गए। उन्होंने कहा, महाकुंभ के महापर्व में आधुनिक पीढ़ी को भगवान शिव के प्रतीकों के पीछे छिपे सनातन विज्ञान से परिचित कराने की सख्त जरूरत है ताकि वे सभी ध्यान के विज्ञान के जरिए तृतीय नेत्र से उस शिव-तत्व का दर्शन कर सकें और फिर उसी ज्ञान से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं को अपनाकर अपने जीवन को आनंदमय बना सकें। इस कार्यक्रम का समापन आनंद नृत्य के साथ हुआ जिसमें भगवान शिव के विभिन्न नामों का रॉक-धुनों के साथ अनूठा मिश्रण देखने को मिला। दर्शकों ने भगवान शिव के भजनों का खूब आनंद लिया।

सरस्वती नदी की उत्पत्ति ही नहीं विलुप्त होने की वजह भी एक श्राप

सरस्वती एक पौराणिक नदी है, जिसका उल्लेख ऋग्वेद और अन्य उत्तर-वैदिक ग्रंथों में मिलता है। इसे प्लाक्ष्वती, वेद्समृति, वेदवती भी कहते हैं। हिंदू पौराणिक कथाओं में यह नदी ज्ञान, संगीत और रचनात्मकता की देवी सरस्वती से जुड़ी हुई है। नदी ने वैदिक धर्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मान्यता है कि महाकुंभ में संगम तट पर स्नान करने से सभी पाप धुल जाते हैं। हालांकि त्रिवेणी पर गंगा-यमुना तो दिखाई देती है, लेकिन सरस्वती नदी नजर नहीं आती। भौगोलिक इतिहास और पुरातात्विक खोजों से पता चलता है कि नदी कभी राजस्थान से होकर बहती थी। फिर यह विलुप्त कैसे हो गई। चलिए आपको बताते हैं सरस्वती नदी से जुड़ी पौराणिक कहानियांज पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार ऋषि दुर्वासा वेद ज्ञान के लिए ब्रह्मलोक गए और उन्होंने ब्रह्मदेव से वेद की ऋचाएं सीखाने की विनती की। चूकिं वेद की ऋचाएं गायन के पद में थीं इसलिए ब्रह्मदेव उन्हें गाकर सुना रहे थे। मगर जब ऋषि दुर्वासा उन्हें दोहरा रहे थे तो मोटी आवाज के कारण स्वर सही नहीं लगा। इस कारण उनके श्लोक के अक्षर और श्रुतियों में बार-बार गलती हो रही थी। इसे देख पास बैठी सरस्वती नदी ऋषि दुर्वासा पर हंस पड़ी। ऋषि दुर्वासा ने इसे अपमान समझ लिया और पलभर में क्रोधित होकर सरस्वती देवी को अहंकारी कह डाला। इसके बाद उन्होंने सरस्वती देवी को श्राप दिया कि उनकी स्वर और वाणी पानी की तरह बिखर जाएगी। वह धरती पर सहज और सुलभ होकर बहेगी,

जिसके बाद सरस्वती अगले ही पल नदी में बदलकर ब्रह्मलोक से गिरकर धरती पर आ गईं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, विनायक श्रीगणेश के आग्रह पर महर्षि वेदव्यास उन्हें सरस्वती नदी के किनारे महाभारत की कथा सुना रहे थे, लेकिन नदी अपने वेग में बह रही थी। बहाव के शोर के कारण महर्षि कथा नहीं सुना पा रहे थे। ऐसे में उन्हें देवी सरस्वती से आग्रह किया कि वह अपना वेग कम कर लें, ताकि वह श्रीगणेश को कथा सुना सके। फिर भी सरस्वती देवी का वेग कम नहीं हुआ। इसके बाद क्रोध में महर्षि वेदव्यास ने उन्हें श्राप दे दिया कि वह कलयुग के आने तक विलुप्त हो जाएगा। ऐसा माना जाता है कि कल्कि अवतार के बाद ही उनका धरती पर आगमन होगा। 'सरस्वतीं च गंगा च युग्मेन प्रतिपद्य च, उत्तरान् वीरमत्स्यानां भारूण्डं प्राविशद्वनम्' वाल्मीकि रामायण में जब भरत कैकय देश से अयोध्या पहुंचते हैं तब उनके आने के प्रसंग में सरस्वती और गंगा को पार करने का वर्णन है। बद्रीनाथ धाम के माणा गांव के समीप पहाड़ी सोतों से आज भी गर्जना के साथ सरस्वती नदी का उद्गम होता है। कुछ दूर चलने के बाद वह भूमि में विलुप्त हो जाती है। नदी आज भी राजस्थान के थार मरुस्थल के नीचे गुप्त तरीके से बह रही है। शोर के कारण श्रीगणेश ने सरस्वती नदी को पाताल से होकर बहने का श्राप दिया था। इस चमत्कारी जगह को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। कहते हैं कि प्राचीन काल में तीर्थराज प्रयागराज में तीनों नदियों का संगम होता था, लेकिन श्राप के बाद सरस्वती नदी विलुप्त हो गईं। हालांकि ऐसी मान्यता है कि सरस्वती नदी भूमिगत होकर ही अदृश्य त्रिवेणी का निर्माण करती हैं। नदी के कुछ हिस्से अभी भी हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में भूमिगत रूप से बहते हैं।

जब नारद जी ने श्रीहरि को दे दिया था श्राप

नारद जी को भगवान विष्णु का सबसे परम भक्त माना जाता है लेकिन एक समय ऐसा भी आया जब उन्होंने अपने प्रिय भगवान विष्णु को भी श्राप दे दिया था। इस श्राप के कारण भगवान विष्णु को अपनी पत्नी माता लक्ष्मी से वियोग सहना पड़ा था। पुराणों के अनुसार, एक बार नारद मुनि हिमालय में तपस्या कर रहे थे। यह देख इंद्र को लगा कि नारद मुनि अपनी तपस्या से उनका पद प्राप्त कर लेंगे। इंद्र ने कामदेव को नारद मुनि की तपस्या भंग करने का आदेश दिया। कामदेव ने नारद मुनि पर कामुक बाण चलाए, जिससे उनका ध्यान टूट गया। उन्होंने अपनी आंखें खोलीं और कामदेव को देखा। इस भय से कि कहीं नारद भगवान शिव की तरह उन्हें भी भस्म न कर दें कामदेव ने नारद से क्षमा मांगी। कामदेव ने कहा कि उन्होंने यह सब इंद्र के आदेश पर किया था। यह सुनकर नारद मुस्कुराए और क्षमा कर दिया। इसके बाद कामदेव ने नारद से कहा कि जब मैंने भगवान शिव की तपस्या भंग की थी तो उन्होंने क्रोध में मुझे जलाकर भस्म कर दिया था। परंतु आपने अपने क्रोध पर विजय प्राप्त कर मुझे क्षमा कर दिया। आप तो शिव से भी बड़े सन्यासी हो गए हैं। यह सुनकर नारद को अहंकार हो गया। वह यह बात बताने के लिए भगवान शिव के पास गए। भगवान शिव ने कहा, यह बात भगवान विष्णु को भूलकर भी मत बताना। नारद ने उनकी बात अनसुनी कर सीधे वैकुंठ लोक चले गए। उन्होंने भगवान विष्णु को भी यही बात बताई। भगवान विष्णु समझ गए कि नारद को अहंकार हो गया है। तब भगवान ने अपनी माया से एक नगर बसाया, जिस पर शीलनिधि का शासन था। शीलनिधि की पुत्री विश्वमोहिनी का स्वयंवर होने वाला था। जब नारद वहां पहुंचे तो विश्वमोहिनी को देखकर उनके

मन में भी विवाह करने का विचार आया। वह भगवान विष्णु के पास गए और उन्हें अपना जैसा रूप देने के लिए कहा, ताकि वह विवाह कर सके। भगवान विष्णु ने नारद का चेहरा बंदर जैसा बना दिया। स्वयंवर में स्वयं विष्णु भी पहुंचे और विश्वमोहिनी ने उन्हें अपना वर चुना। सभी लोग नारद पर हंस रहे थे, जिसे देखकर उन्होंने भगवान विष्णु को श्राप दे दिया कि आप भी मनुष्य शरीर धारण कर 14 वर्षों तक स्त्री के वियोग में भटकोगे। आपने मुझे बंदर का चेहरा दिया है इसलिए ये ही बंदर आपकी पत्नी को खोजने में मदद करेंगे। भगवान विष्णु ने नारद के श्राप को स्वीकार कर लिया, जिसके कारण उन्होंने भगवान राम और मां लक्ष्मी ने माता सीता का अवतार लिया था।

समय संदेश टाइम्स परिवार
प्रबंध संपादक
आशीष त्रिपाठी
उप संपादक
प्रमोद दीक्षित (नोएडा)
सह सम्पादक
अनिल गुप्ता
ब्यूरो चीफ कानपुर देहात
सौरभ पाल

समय संदेश टाइम्स परिवार: बदलते समय का संदेश UPHIN/2015/64922 स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक विकास जैन द्वारा हर्षिता प्रिन्टर्स-127/875 W-1 साकेत नगर कानपुर से मुद्रित कराकर 101 प्लॉट नं0 49, एन 2 रोड, परदेवनपुर, लाल बंगला जिला कानपुर नगर- 208007 उ.प्र. से प्रकाशित किया। संपादक: विकास जैन मो.9935515049 समस्त विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे।